दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-133 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शुक्रवार 03 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

देश के कई शहरों में पहुंचा मानसून, मुंबई में रेड अलर्ट जारी

नईदिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली और उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत के कई शहरों में आधिकारिक तौर पर मानसून पहुंच गया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन की आधिकारिक घोषणा की। इससे

राज्यों में पिछले काफी दिनों से चल रही भीषण गर्मी और उमस से निजात मिली। गुरुवार की सुबह दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत पूर्वी जिलों में भी बादल जमकर बरसे।

दिल्ली में मानसून की आधिकारिक घोषणा 27 जून को होती है, लेकिन इस बार यह 5 दिन की देरी से 2 जुलाई को आया है। पिछले साल 2025 में मानसून 2 दिन देरी से आया था, जब आईएमडी ने 29 जून को इसके आगमन की घोषणा की थी। 2016 और 2017 में भी मानसून 2 जुलाई को ही दिल्ली पहुंच गया था। वर्ष 2020 और 2023 में मानसून 25 जून को पहुंचा था और 2002 में 19 जुलाई आया था।उत्तर प्रदेश में भी मानसून कुछ दिन की देरी से पहुंचा है। यह अमूमन 22 जून तक पहुंच जाता है। हालांकि, 2 जुलाई से शुरू हुई बारिश के बाद गर्मी से राहत मिली है। आईएमडी ने 45 दिनों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। अगले एक हफ्ते तक बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। बुधवार को सबसे अधिक 113 मिलीमीटर बारिश बहराइच में दर्ज हुई है। मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि बारिश से 10 डिग्री तक तापमान गिरेगा। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई समेत कई शहरों में भीषण बारिश हो रही है। भारी बारिश के कारण दृश्यता कम होने से सेंट्रल रेलवे नेटवर्क पर ट्रेन सेवाएं विलंबित हो गईं हैं। आईएमडी भारी बारिश को देखते हुए मुंबई, ठाणे, पालघर और रायगढ़ के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जिसमें सुबह से 3 घंटे के लिए कुछ स्थानों पर मध्यम से तीव्र बारिश होने का पूर्वानुमान है।

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक प्रक्रिया में एआई के इस्तेमाल पर चिंता जताई, कहा- ये विनाशकारी

नईदिल्ली ,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने कानूनी और न्यायिक प्रक्रिया में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के इस्तेमाल पर चिंता जताई है। कोर्ट ने राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के एक फैसले पर गहरी चिंता जताई, जिसमें एआई के जरिए बनाए गए फर्जी मामलों और झूठे उदाहरणों का सहारा लिया गया था। कोर्ट ने कहा कि फैसला लेने की प्रक्रिया के हर चरण में इंसानी नियंत्रण पूरी तरह से और अनिवार्य रूप से बना रहना चाहिए।लाइव लॉ के अनुसार, कोर्ट ने कहा कि ऐसे पूर्व उदाहरणों से निकला कोई भी फैसला शून्य माना जाएगा क्योंकि इसे कानून की नजर में फैसले के रूप में नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा, एआई का उपयोग कर तैयार किए गए पूर्व उदाहरणों का हवाला देना वकील की ओर से कदाचार है। अदालतों के लिए यह जरूरी है कि वे बिना सत्यापन के एआई से निर्मित मिसालों को पेश, उद्धृत या उपयोग करने पर शून्य-सहिष्णुता का रवैया अपनाएं। कोर्ट ने एआई के गलत इस्तेमाल की तुलना खतरनाक और जहरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनेट से की। कोर्ट ने कहा, एआई का फर्जी, काल्पनिक और झूठी सामग्री तैयार करना और उसका कानून में उदाहरण के तौर पर इस्तेमाल करना न्याय के क्षेत्र में 'मिथाइल आइसोसाइनेट' को छोड़ने जैसा है। यह अदृश्य, कपटी और विनाशकारी है। जब तक कोई इस पर ध्यान देता है, तब तक यह न्याय प्रणाली को दूषित और न्यायिक फैसले की आत्मा को खत्म कर देता है। यह मामला एस्सेल इन्फ्राप्रोजेक्ट्स से जुड़ी दिवालियापन की कार्यवाही के दौरान सामने आया, जिसमें शीर्ष अदालत ने पाया कि एनसीएलटी ने एआई द्वारा उत्पन्न गैर-मौजूद या भ्रामक न्यायिक मिसालों पर भरोसा किया था। कोर्ट ने एस्सेल इंफ्राप्रोजेक्ट्स दिवालियापन मामले में एनसीएलटी और एनसीएलटी के आदेशों को खारिज करते हुए ये टिप्पणी की।

इस मामले में एनसीएलटी ने जिन मिसालों के आधार पर फैसला सुनाया था, वे फर्जी और एआई द्वारा बनाए गए थे।सुप्रीम कोर्ट ने बार काउंसिल को मामले को अत्यंत गंभीरता से आगे बढ़ाने का निर्देश दिया और फर्जी फैसले को लेकर एनसीएलटी की न्यायिक औचित्य पर भी सवाल उठाया। कोर्ट ने काउंसिल से कहा कि वो मामले की जांच के लिए तुरंत समिति गठित करे और एआई के इस्तेमाल को लेकर मार्गदर्शक सिद्धांत तैयार करे। कोर्ट ने पूरे मामले को फिर से एनसीएलटी के पास भेज दिया है और 2 हफ्ते के भीतर नए सिरे से फैसले का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हाई कोर्ट के पंचायत चुनाव की समय सीमा बढ़ाने के आदेश के खिलाफ याचिका खारिज की

नई दिर्ल्ली(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मणिपुर हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करने से मना कर दिया, जिसमें राज्य में पंचायत चुनाव कराने की समय सीमा इस साल 16 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई थी.यह मामला जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह और एनवी अंजारिया की पीठ के सामने आया. पीठ ने हाई कोर्ट के 19 मई, 2026 के फैसले के खिलाफ फेइरोइजम हेरामानी और अन्य की अपील पर सुनवाई की.मणिपुर सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि राज्य हाई कोर्ट के निर्देशों को मानने के लिए बाध्य है.उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर स्थानीय निकायों के चुनाव नहीं कराए जाते हैं, तो राज्य अवमानना कर सकता है. दलीलें सुनने के बाद पीठ ने कहा कि हाई कोर्ट के आदेश में दखल देने की अपील में कोई दम नहीं है.हाई कोर्ट ने छठे आम पंचायत चुनाव कराने की समय सीमा 16 अक्टूबर तक बढ़ा दी है. हाई कोर्ट ने हाल के कानूनी बदलावों के मुताबिक राज्य के लिए तीन-स्तर का पंचायती राज सिस्टम अपनाने का रास्ता भी साफ कर दिया.

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला : आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाने की तैयारी, ट्रस्ट में बढ़ी अंदरूनी कलह

अयोध्या (आरएनएस)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में अब राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के भीतर भी आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। पहली बार ट्रस्ट के ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास महाराज ने पूर्व पदाधिकारी गोपाल राव पर खुलकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जिम्मेदारी गोपाल राव की है और वे राजनीति कर रहे हैं। महंत दिनेंद्र दास ने कहा, "पूरी गलती गोपाल राव की है। वे सभी को उलझा देते हैं और राम की परंपरा को नहीं मानते।" गोपाल राव राम मंदिर निर्माण के प्रभारी और ट्रस्ट के आमंत्रित सदस्य रहे हैं। वे मूल रूप से कर्नाटक के निवासी हैं।उधर, सूत्रों के अनुसार चढ़ावा चोरी के आरोपियों के खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई की तैयारी में है। अयोध्या विकास प्राधिकरण (ADA) ने उन मकानों की पहचान कर ली है, जिनका निर्माण बिना स्वीकृत नक्शे के हुआ है या जिनमें नियमों का उल्लंघन किया गया है। ऐसे मकानों पर बुलडोजर कार्रवाई की तैयारी चल रही है।जानकारी के मुताबिक, आरोपी लवकुश मिश्रा का शहादतगंज में बन रहा मकान और अनुकल्प मिश्रा का कौशल पुरी स्थित मकान प्रशासन के रडार पर हैं। दोनों आरोपियों ने मंदिर में नौकरी मिलने के बाद ये मकान बनवाए थे। ADA आज ही दोनों को नोटिस जारी कर सकता है।वहीं, जांच एजेंसियां मामले की तह तक पहुंचने में जुटी हैं। पुलिस ने 30 जून को अयोध्या जेल में बंद आरोपी अविनाश शुक्ला से पूछताछ की थी और अब आगे की जांच जारी है।

18 जिलों में होंगे नर्मदा जयंती कार्यक्रम, नदी संरक्षण से समाज को भी जोड़ें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अब हर महीने होगी नर्मदा समग्र की बैठक

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मां नर्मदा प्रदेश की 33 प्रतिशत से अधिक आबादी की जीवन रेखा है। यह आबादी नर्मदा नदी और उसके जलग्रहण क्षेत्र पर ही निर्भर है। नर्मदा हमारी धार्मिक आस्था, जैव विविधता और सांस्कृतिक विरासत की आधारशिला है। इसे हर तरह से निर्मल और अविरल बनाए रख कर नर्मदा परिक्रमा पथ को अतिक्रमण मुक्त बनाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में नर्मदा जयंती पर विभिन्न आयोजन किए जायें। नर्मदा और इसकी सहायक नदियों सहित पूरे प्रदेश में नदियों के संरक्षण के लिए समाज को विशेषकर युवाओं को जोड़ा जाये। उन्होंने कहा कि अब हर महीने नर्मदा समग्र की बैठक में इस नदी क्षेत्र के विकास के निर्णय लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को मंत्रालय में नर्मदा समग्र की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ नर्मदा के विकास से जुड़ना एक पवित्र काम है। सभी विभाग के अधिकारी पूरे समर्पण से यह काम करें। उन्होंने कहा कि नर्मदा परिक्रमा पथ को पूर्णतः अतिक्रमण मुक्त कर पथिकों के लिए सभी व्यवस्थाएं की जाये और परिक्रमा मार्ग पर संकेतक (सूचना पट्टिकाएं) भी लगाए जाए। नर्मदा के तट पर स्थित सभी धार्मिक और पवित्र स्थलों को प्रदूषण मुक्त बनाया जाए। उन्होंने कहा कि परिक्रमा मार्ग पर जहां मंदिर हैं वहां श्रद्धालुओं के लिए अन्न क्षेत्र भी स्थापित किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ऐसे स्थानों पर दीनदयाल रसोई प्रारंभ कराने की व्यवस्था भी कराएगी। बैठक में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव मनीष रस्तोगी, अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला, अपर मुख्य सचिव संजय दुबे सहित अन्य प्रमुख सचिव एवं सचिव स्तर के अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नर्मदा समग्र से समन्वय कर नर्मदा परिक्रमा क्षेत्र में स्थित सभी आश्रमों की सूचियां तैयार कर लें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि एवं उद्यानिकी विभाग को निर्देशित किया कि वे सामूहिक प्रयास कर किसानों को घाटी क्षेत्र में नकद फसलों की पैदावार लेने के लिए प्रेरित करें।बैठक में अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला ने बताया कि नर्मदा नदी के सीमावर्ती प्रदेश के 18 जिलों में नर्मदा जयंती पर आयोजन किए जाएंगे।

दागी मंत्रियों को पद से हटाने वाला विधेयक, जेपीसी 17 जुलाई तक सौंपेगी रिपोर्ट

नई दिल्ली,(आरएनएस)। राजनीति के अपराधीकरण को रोकने और संवैधानिक नैतिकता को मजबूत करने के उद्देश्य से लाए गए 130वें संविधान संशोधन विधेयक पर बनाई गई संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) अपनी रिपोर्ट 17 जुलाई तक लोकसभा स्पीकर को सौंप देगी, यानी मानसून सत्र से ठीक पहले. जेपीसी की अध्यक्ष अपराजिता सारंगी ने बताया कि रिपोर्ट 17 जुलाई तक सौंप दी जाएगी. उन्होंने कहा, हमने देश के सभी वर्गों से प्रतिनिधित्व मांगे थे. किसी ने भी इस कदम के इरादे पर सवाल नहीं उठाया है. इसका मकसद साफ है- राजनीति का अपराधीकरण रोकना और संवैधानिक नैतिकता को बरकरार रखना.

सूत्रों के मुताबिक, जेपीसी के सदस्यों ने अब तक 42 संस्थानों- लॉ कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और कई एनजीओ से मिलकर सुझाव लिए हैं. राज्य सरकारों से भी लिखित प्रतिनिधित्व मांगे गए. समिति के सदस्यों ने 11 एनडीए शासित राज्यों का दौरा किया।

बेंगलुरु में दर्दनाक हादसा : पत्थर की खदान में 40 फीट ऊंची चट्टान गिरी, 7 मजदूरों की गई जान-कई घायल

बेंगलुरु (आरएनएस)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। बेंगलुरु साउथ तालुक के मादापट्टना इलाके स्थित एक पत्थर की खदान में अचानक विशालकाय चट्टान ढहने से बिहार के 7 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य मजदूर घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब मजदूर खदान में पत्थर तोड़ने और खुदाई का काम कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, साइट पर करीब 18 मजदूर मौजूद थे। इसी दौरान लगभग 40 फीट की ऊंचाई से एक भारी-भरकम चट्टान अचानक मजदूरों पर आ गिरी, जिससे अफरा-तफरी मच गई। मृतक सभी दिहाड़ी मजदूर थे और स्टोन क्रशर साइट पर काम करते थे।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। मलबा हटाने का अभियान तुरंत शुरू किया गया और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रशासन अभी घायलों की संख्या और मलबे में अन्य मजदूरों के फंसे होने की आशंका की जांच कर रहा है।

बेंगलुरु में इसरो मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी, परिसर खाली कराया गया

बेंगलुरु (आरएनएस)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में स्थित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के मुख्यालय को गुरुवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरा ईमेल दोपहर बाद आया, जिसकी सूचना पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को दी गई। सावधानी के तौर पर पूरा परिसर खाली करा लिया गया है। पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने पूरे परिसर की तलाशी ली है। अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।जानकारी के मुताबिक, मुख्यालय को धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। वैज्ञानिकों और कर्मचारियों में दहशत का माहौल है। धमकी भरा ईमेल मिलते ही मुख्यालय में इमरजेंसी प्रोटोकॉल लागू कर दिया गया था और सभी लोगों को मुख्यालय परिसर से बाहर निकाल दिया गया।

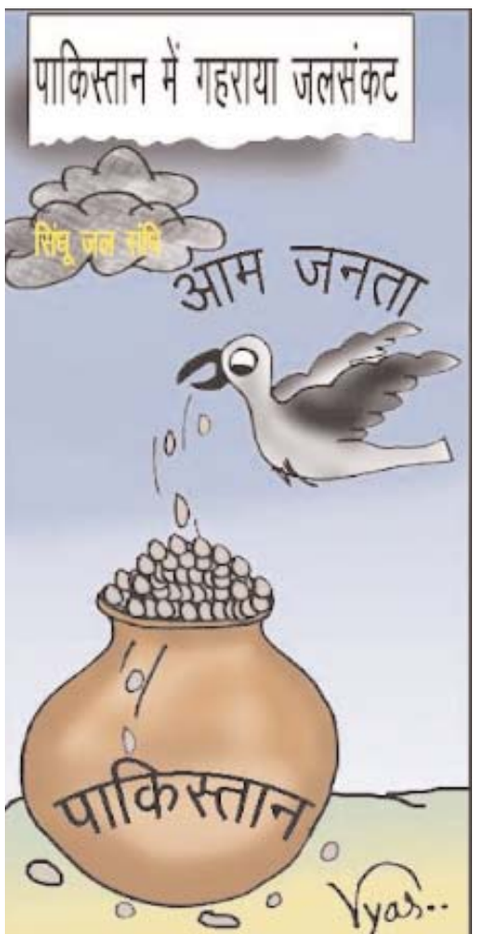

केतन अग्रवाल हत्याकांडः मंगेतर सिया गोयल लाई-डिटेक्टर टेस्ट के लिए राजी

पुणे (आरएनएस)। महाराष्ट्र के पुणे में 26 वर्षीय व्यवसायी केतन विशाल अग्रवाल की हत्या के मामले में नई जानकारी सामने आई है। केतन की 20 वर्षीय मंगेतर सिया गोयल ने लाई-डिटेक्टर टेस्ट यानी पॉलीग्राफ टेस्ट की अनुमति दे दी है। अब

पुलिस को कई सवालों के जवाब मिल सकते हैं। सिया के वकील विपुल दूशिंग ने बताया कि उनकी मुवक्किल ने गुरुवार को लोनावाला ग्रामीण पुलिस को लिखित रूप से परीक्षण की अनुमति दी है।पॉलीग्राफ परीक्षण अक्सर उन मामलों में कराए जाते हैं, जहां प्रथम दृष्ट्या या सहायक साक्ष्य सीमित होते हैं। यह बिना आरोपी के सहमति के नहीं हो सकता। सिया की सहमति के बाद पुलिस अगले कुछ दिनों में विशेषज्ञों की उपस्थिति में यह टेस्ट करेगी। हालांकि, इस जांच के परिणाम कोर्ट में ठोस साक्ष्य के रूप में स्वीकार्य नहीं होते हैं। इनका उपयोग केवल जांच के दौरान सुराग जुटाने में किया जाता है।पुलिस ने कोर्ट में जमा किए अपने आवेदन में बताया कि उसे अभी तक ये नहीं पता है कि केतन को लोहागढ़ किले से किसने धक्का दिया था। पुलिस ने बताया कि उसके पास सिया के बयानों के अलावा और कोई प्रत्यक्ष या निर्णायक सबूत नहीं है, जिससे यह साबित हो सके। इसके अलावा, पुलिस यह भी पता लगाना चाहती है कि क्या केतन के मोबाइल फोन से सबूत मिटाया गया था।

मध्य प्रदेश में छाया मानसून.

भोपाल सहित 55 जिलों में होगी भारी बारिश, हरदा-खंडवा में रेड अलर्ट

भोपाल(आरएनएस)। मध्य प्रदेश में मानसून की छाया अब पूरी तरह से गहरा गई है। गुरुवार को दक्षिण-पश्चिम मानसून ने रफ्तार पकड़ते हुए पूरे प्रदेश को अपनी आगोश में ले लिया। जो मानसून एक दिन पहले तक ग्वालियर-चंबल और राजस्थान से सटे जिलों से दूर था, उसने बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के चलते तेजी पकड़ी। अब यह उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है, जिससे सात जुलाई तक राज्य में वर्षा की गतिविधियां बनी रहेंगी।

गुरुवार को राजधानी समेत प्रदेश के कई जिलों में वर्षा हुई। राजधानी में दोपहर ढाई बजे से लेकर सवा तीन तक 9 मिलीमीटर पानी गिरा। मौसम विज्ञानी एसएन साहू ने बताया कि शुक्रवार से वर्षा की गतिविधियां तेज होगी। इससे तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट होगी।

नरसिंहपुर और सिवनी में जमकर बरसे बादल

गुरुवार को मालवा-निमाड़, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर-चंबल समेत सभी संभागों में हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार शाम साढ़े पांच बजे तक सबसे ज्यादा 83 मिलीमीटर वर्षा नरसिंहपुर में और 63 मिलीमीटर सिवनी में दर्ज हुई।इसके अलावा इंदौर, उज्जैन और गुना समेत कई जिलों में 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चली।

रेड अलर्ट में हरदा और खंडवा, बाकी जिलों के लिए भी चेतावनी

शुक्रवार को प्रदेश के विभिन्न जिलों में कहीं हल्की तो कहीं तेज वर्षा होगी। इसके मद्देनजर मौसम विज्ञान केंद्र ने अलर्ट जारी किया है। हरदा और खंडवा रेड अलर्ट में हैं, जहां भारी वर्षा होने की संभावना जताई है।वहीं ऑरेंज अलर्ट में बैतूल, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, धार और देवास में मध्यम वर्षा की संभावना है। येलो अलर्ट में भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, रीवा और ग्वालियर सहित प्रदेश के अन्य सभी जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

बादल फटने से जलप्रलय जैसे हालात! जम्मू-कश्मीर के कई गांवों का टूटा संपर्क

जम्मू (आरएनएस)। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पहाड़ी क्षेत्रों में अपनी औपचारिक दस्तक दे दी है। हालांकि, मानसून के आगमन का पहला ही दिन इन दोनों प्रदेशों के लिए भारी तबाही लेकर आया। मौसम के अचानक बदले मिजाज के कारण जम्मू-कश्मीर के डोडा, किश्तवाड़ और बांडीपोरा समेत करीब आधा दर्जन इलाकों में बादल फटने की घटनाएं सामने आई हैं, जिसके बाद आई अचानक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) ने बड़े पैमाने पर जनजीवन को प्रभावित किया है। श्रीनगर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉ. मुख्तयार अहमद ने दोनों केंद्र शासित राज्यों में मानसून के सक्रिय होने की आधिकारिक पुष्टि की है।

यातायात ठप, मलबे में तब्दील हुई सड़कें

बादल फटने और मूसलाधार बारिश के बाद आए पहाड़ी मलबे के कारण कई प्रभावित इलाकों में प्रमुख संपर्क मार्ग और सड़कें पूरी तरह बंद हो गई हैं। अचानक आए तेज बहाव की वजह से बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान पहुंचा है और कई दूरदराज के गांवों का संपर्क जिला मुख्यालयों से कट गया है। राहत की बात यह रही कि इतनी भीषण आपदा के बावजूद अभी तक कहीं से भी किसी भी प्रकार के जानी नुकसान (जनहानि) की कोई अप्रिय सूचना नहीं है बाढ़ की भयावह स्थिति को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन की टीमों ने तुरंत मोर्चा संभाल लिया। जलभराव वाले और संवेदनशील निचले क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित निकालकर अस्थाई शिविरों व सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। प्रभावित जिलों में राहत और बचाव कार्य तेजी से चलाए जा रहे हैं, और बंद पड़े रास्तों को दोबारा बहाल करने के लिए भारी मशीनरी की मदद से मलबा हटाने का काम शुरू कर दिया गया है

संभावित अल्प वर्षा से निपटने के लिए सभी विभाग करें समन्वित तैयारी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संभावित अल्प वर्षा की स्थिति से निपटने पूर्व तैयारियों की समीक्षा कर दिये निर्देश

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संभावित अल्प वर्षा की स्थिति को चुनौती नहीं, बल्कि बेहतर योजना, वैज्ञानिक खेती और समयबद्ध तैयारी के अवसर के रूप में लिया जाए। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए किसानों को समय पर आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराएं, जिससे प्रदेश में कृषि उत्पादन और किसानों की आय पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को मंत्रालय में इस वर्ष प्रदेश में संभावित अल्प वर्षा की स्थिति के मद्देनज़र किसान कल्याण एवं कृषि विकास, जल संसाधन, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सहित अन्य संबंधित विभागों की अब तक की पूर्व तैयारियों की गहन समीक्षा की।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि प्रदेश का प्रत्येक किसान मौसम की चुनौतियों का सामना वैज्ञानिक सोच और उचित तैयारी के साथ करे। समय पर सही निर्णय और विभागों के प्रभावी समन्वय से हम संभावित अल्प वर्षा के प्रभाव को काफी हद तक कम कर सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को कम पानी और कम अवधि में तैयार होने वाली फसलों की खेती के लिए व्यापक स्तर पर जागरूक किया जाए। उन्होंने ज्वार, बाजरा, उड़द, मूंग, तुअर तथा कोदो-कुटकी जैसी मोटे अनाज एवं दलहनी फसलों को अपनाने पर विशेष बल देते हुए कहा कि ये फसलें कम पानी में भी बेहतर उत्पादन देने के साथ किसानों के लिए अधिक लाभकारी सिद्ध हो सकती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को जल्दबाजी में बुआई नहीं करने के लिए भी प्रेरित किया जाए। खेतों में पर्याप्त नमी आने के बाद ही बुआई की जाए तथा नमी संरक्षण के उपाय अपनाए जाएं। साथ ही कम समय में अधिक उत्पादन देने वाली उन्नत किस्मों और आधुनिक कृषि तकनीकों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि कृषि वैज्ञानिकों एवं विषय विशेषज्ञों के सुझावों को प्रभावी ढंग से किसानों तक पहुंचाया जाए, जिससे वे स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप उपयुक्त फसल का चयन कर सकें। इसके लिए कृषि विस्तार तंत्र को और अधिक सक्रिय बनाया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार संभावित अल्प वर्षा की स्थिति पर सतत निगरानी रखे हुए है। सभी संबंधित विभाग पूर्व नियोजित कार्य योजना के अनुसार समन्वित रूप से कार्य करें और किसानों को हर संभव तकनीकी एवं प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि किसानों का हित सर्वोपरि है और उनकी समृद्धि तथा कृषि उत्पादन को बनाए रखने के लिए राज्य सरकार हर आवश्यक कदम उठाएगी।

प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में वैकल्पिक स्रोतों का चिन्हांकन एवं टैंकर व्यवस्था की आकस्मिक योजना तैयार कर अमृत 2.0 के अंतर्गत जल प्रदाय योजनाओं का समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित की जायेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन की ग्रामवार समीक्षा, बंद/अपूर्ण नल-जल योजनाओं की मरम्मत का 90 दिवसीय अभियान चलाया जाएगा।

भोपाल से नोएडा की सीधी फ्लाइट शुरू पहले दिन 41 यात्री आए; वाटर कैनन सलामी से हुआ स्वागत

भोपाल (आरएनएस)। राजधानी भोपाल से नोएडा के लिए बुधवार से सीधी हवाई सेवा शुरू हो गई। इंडिगो की पहली फ्लाइट के भोपाल पहुंचने पर एयरपोर्ट पर पारंपरिक वाटर कैनन सलामी देकर स्वागत किया गया। पहले दिन नोएडा से 41 यात्री भोपाल पहुंचे, जबकि भोपाल से 12 यात्रियों ने इस नई उड़ान से यात्रा की। शुरुआती दिनों में यात्री संख्या कम रही, लेकिन एयरलाइन और एयरपोर्ट प्रबंधन को आने वाले समय में इसमें बढ़ोतरी की उम्मीद है।नई सेवा के तहत इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6E-7653 शाम 5:20 बजे नोएडा से उड़ान भरकर शाम 6:50 बजे भोपाल पहुंचती है। वापसी में 6E-7654 शाम 7:10 बजे भोपाल से रवाना होकर रात 9:25 बजे नोएडा पहुंचती है। इस रूट पर एयरलाइन ने 72 सीटों वाले एटीआर विमान को तैनात किया है। एक तरफ का किराया फिलहाल करीब 4,600 रुपए है।

मध्यप्रदेश के "ई-नगर पालिका" पोर्टल को मिला राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026

सुरक्षित सुशासन और डेटा संरक्षण के मानकों से सुदृढ़ हुई विभाग की डिजिटल विश्वसनीयता : आयुक्त श्री भोंडवे

भोपाल (आरएनएस)। नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त संकेत भोंडवे ने कहा कि नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने आधुनिक तकनीकों और सुदृढ़ साइबर सुरक्षा उपायों के समन्वय से सदैव पारदर्शी, सुरक्षित एवं विश्वसनीय डिजिटल नागरिक सेवाओं को सर्वोपरि प्राथमिकता दी है। साइबर सुरक्षा, जोखिम प्रबंधन और डेटा संरक्षण के क्षेत्र में अपनाए गए प्रभावी एवं कड़े वैश्विक मानकों का ही प्रतिफल है कि आज हमारी डिजिटल प्रणालियों की विश्वसनीयता राष्ट्रीय स्तर पर सुदृढ़ हुई है। विभाग भविष्य में भी नागरिकों को पूरी तरह सुरक्षित, भरोसेमंद और अत्याधुनिक डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूर्णत: कटिबद्ध रहेगा।मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास विभाग के ई-नगर पालिका पोर्टल को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के अंतर्गत साइबर सुरक्षा श्रेणी में प्रतिष्ठित रजत पुरस्कार (Silver Award) प्राप्त हुआ है। जयपुर में आयोजित 29वें राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार समारोह में यह सम्मान मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा आयुक्त संकेत भोंडवे को प्रदान किया गया।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा का उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने किया अभिनंदन

28वें एओएमएसआई मिड-टर्म कन्वेंशन एवं 14वें एओएमएसआई पोस्टग्रेजुएट कन्वेंशन—मिडकॉम्स 2026 में होंगे शामिल

भोपाल (आरएनएस)। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा का उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने गुरुवार को निवास कार्यालय, भोपाल में आत्मीय अभिनंदन किया। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. साहा और उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के मध्य विभिन्न समसामयिक विषयों और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों को लेकर चर्चा हुई। इस अवसर पर त्रिपुरा के मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती स्वप्ना साहा भी उपस्थित थीं। त्रिपुरा मुख्यमंत्री डॉ. साहा मध्यप्रदेश प्रवास पर हैं।

महिला बोली- मजबूरी न होती तो नरक में नहीं रहत : खिड़की के सामने कचरा जर्जर दीवारें; भोपाल में 15 साल में बिल्डिंगें बनी खंडहर

भोपाल (आरएनएस)। राजधानी भोपाल के नेहरू नगर के शबरी नगर मल्टी में लोगों की सुबह कचरे की बदबू से होती है और रात इस डर में बीतती है कि कहीं बिजली की कोई तेज कड़क मल्टी की दीवारों को न गिरा दे।मल्टी में रहने वाली संगीता कहती है मजबूरी न होती तो इस नरक में नहीं रहते। बारिश में हाल और बुरे हो जाते हैं। नालियां जाम हो जाती हैं घरों में सीवेज का पानी आता है। मकान गिरने का डर हमेशा बना हुआ है। दूसरी महिला ने कहा कि नगर निगम कचरे का पैसा पानी का पैसा सब लेने आते हैं पर सफाई करने कोई नहीं आता है। हमारे जनप्रतिनिधि भी यहां तभी आते हैं जब चुनाव का समय होता है। इससे अच्छा तो हमारी झुग्गियां थीं।अनिता कहती है कि हम दुआ करती हूं कि बारिश न हो। बारिश में मेरा दो कमरों का फ्लैट झरना बन जाता है। बेडरूम किचन हर जगह पानी रिसता है। 15 साल हो गए पर कोई सुधार नहीं कराया गया। मल्टी की छतों पर इतनी घास है जितनी कि खेतों पर नहीं होगी।

"सेफ क्लिक 2.0" के तहत प्रदेश भर के विद्यालयों में गूंजी साइबर सुरक्षा की शपथ

लाखों विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने सुरक्षित डिजिटल व्यवहार का लिया संकल्पमध्यप्रदेश पुलिस एवं स्कूल शिक्षा विभाग की संयुक्त पहल

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप एवं पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देशन में प्रदेश को साइबर अपराधों से सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित राज्यव्यापी "सेफ क्लिक 2.0" साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत बुधवार को एक महत्वपूर्ण जन-जागरूकता पहल की गई। स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य साइबर पुलिस के समन्वय से प्रदेश के सभी शासकीय एवं निजी विद्यालयों में आयोजित प्रार्थना सभाओं के दौरान लाखों विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शैक्षणिक स्टाफ ने "साइबर शपथ"लेकर सुरक्षित एवं जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनने का संकल्प लिया।

प्रदेश भर में एक साथ आयोजित इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने तथा डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। राजधानी भोपाल से लेकर दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक विद्यालयों में साइबर सुरक्षा का संदेश एक साथ प्रसारित हुआ और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक इस पहल में सहभागिता की।वर्तमान डिजिटल युग में बच्चे एवं युवा इंटरनेट, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म का व्यापक उपयोग कर रहे हैं। इसी कारण वे साइबर ठगी, ऑनलाइन उत्पीड़न, फर्जी लिंक, फेक न्यूज तथा अन्य साइबर अपराधों के प्रति अधिक संवेदनशील हैं। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में यह जागरूकता विकसित करना है कि डिजिटल दुनिया में प्रत्येक क्लिक सोच-समझकर करना आवश्यक है तथा थोड़ी-सी सावधानी उन्हें बड़ी आर्थिक एवं सामाजिक हानि से बचा सकती है।

साइबर शपथ के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने अपनी व्यक्तिगत एवं गोपनीय जानकारी, जैसे पासवर्ड, ओटीपी, बैंक संबंधी जानकारी तथा निजी विवरण किसी भी अनजान व्यक्ति से साझा नहीं करने, सोशल मीडिया पर अनजान व्यक्तियों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करने, भ्रामक एवं अपुष्ट सूचनाएं साझा न करने, ऑनलाइन गेमिंग एवं चैटिंग के दौरान किसी भी प्रकार के लालच अथवा धमकी से प्रभावित न होने तथा किसी भी संदिग्ध साइबर गतिविधि अथवा साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल अपने अभिभावकों, शिक्षकों अथवा राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर सूचना देने का संकल्प लिया।

इस राज्यव्यापी कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा पूर्व से ही सभी जिला शिक्षा अधिकारियों एवं विद्यालयों के प्राचार्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए थे।

ऑनलाइन हुई पुलिसकर्मियों की छुट्टी प्रक्रिया, पूरे मध्य प्रदेश में ईएचआरएमएस ई-लीव मॉड्यूल लागू

भोपाल(आरएनएस)। मध्य प्रदेश पुलिस ने पुलिसकर्मियों की सेवा प्रबंधन व्यवस्था को डिजिटल और अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देश पर 1 जुलाई 2026 से प्रदेश की सभी पुलिस इकाइयों में ईएचआरएमएस (इलेक्ट्रॉनिक ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम) का ई-लीव मॉड्यूल लागू कर दिया गया है। इसके बाद पुलिस अधिकारी और कर्मचारी अब अवकाश के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे तथा स्वीकृति और उसकी स्थिति भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर देख सकेंगे। पुलिस मुख्यालय द्वारा गुरुवार को जानकारी दी गई कि मध्य प्रदेश पुलिस ने जुलाई 2025 से सेवा पुस्तिकाओं के डिजिटलीकरण का अभियान शुरू किया था। इसके तहत एक लाख से अधिक सेवा पुस्तिकाओं की स्कैनिंग कर लगभग एक लाख पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को eHRMS से जोड़ा जा चुका है। वहीं 23 मार्च 2026 से ऑर्डर बुक (O.B.) मॉड्यूल भी शुरू किया गया, जिससे सेवा संबंधी आदेश डिजिटल रूप से सुरक्षित उपलब्ध रहेंगे। ई-लीव मॉड्यूल को पहले एससीआरबी, कार्मिक शाखा, विशेष शाखा, पुलिस अधीक्षक रेल भोपाल और 25वीं वाहिनी भोपाल में प्रायोगिक तौर पर लागू किया गया था।

रानी कमलापति-अगरतला स्पेशल अब एलएचबी कोचों के साथ दौड़ेगी

23 जुलाई से आईसीएफ कोचों की जगह लगेंगे आधुनिक कोच

भोपाल (आरएनएस)। पूर्वोत्तर भारत जाने वाले रेल यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। पश्चिम मध्य रेलवे ने रानी कमलापति-अगरतला स्पेशल एक्सप्रेस में पुराने आईसीएफ कोचों की जगह आधुनिक एलएचबी (लिंक हॉफमैन बुश) कोच लगाने का फैसला किया है। गाड़ी संख्या 01665 रानी कमलापति-अगरतला स्पेशल में 23 जुलाई 2026 से और वापसी में गाड़ी संख्या 01666 अगरतला-रानी कमलापति स्पेशल में 26 जुलाई 2026 से एलएचबी रेक के साथ संचालन शुरू होगा।रेलवे अधिकारियों के मुताबिक एलएचबी कोच आधुनिक तकनीक से बने होते हैं। इनमें झटके कम लगते हैं, ब्रेकिंग सिस्टम अधिक प्रभावी होता है और दुर्घटना की स्थिति में यात्रियों की सुरक्षा भी अपेक्षाकृत अधिक रहती है। इसके अलावा इन कोचों में सफर पहले की तुलना में अधिक आरामदायक होगा।नई रेक में कुल 22 कोच होंगे। इनमें 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 8 स्लीपर, 5 एसी थर्ड एसी, 1 एसी थर्ड इकोनॉमी, 2 एसी सेकेंड टियर, 1 गार्ड सह लगेज एवं ब्रेक वैन तथा 1 जनरेटर कार शामिल रहेगी।पश्चिम मध्य रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि यात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित और बेहतर रेल यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। रानी कमलापति से पूर्वोत्तर भारत के बीच चलने वाली इस महत्वपूर्ण ट्रेन में एलएचबी कोच लगने से मध्यप्रदेश और पूर्वोत्तर राज्यों के यात्रियों को अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिलेगा।

6 जुलाई को खानूगांव में होगी बाढ़ प्रबंधन की मॉकड्रिल

मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा; जलभराव रोकने, संवेदनशील जलस्त्रोतों की सुरक्षा और कोचिंग संस्थानों में फायर सेफ्टी सुनिश्चित करने के निर्देश कलेक्टर श्री मिश्रा के निर्देशन में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक सम्पन्न

भोपाल (आरएनएस)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में अपर कलेक्टर सुमित पांडे ने आगामी मानसून को दृष्टिगत रखते हुए संभावित प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए विभिन्न विभागों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूर्ण सतर्कता के साथ कार्य करने तथा आपदा प्रबंधन संबंधी निर्धारित प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक में बताया गया कि 6 जुलाई को खानूगांव में बाढ़ प्रबंधन की मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। अपर कलेक्टर श्री पांडे ने मॉक ड्रिल के सफल एवं प्रभावी संचालन के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे अभ्यास आपदा की वास्तविक परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी राहत-बचाव कार्य सुनिश्चित करने के साथ-साथ विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जलभराव रोकने के लिए ड्रेनेज सिस्टम की विशेष सफाई के निर्देश

अपर कलेक्टर श्री पांडे ने नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संभावित जलभराव की स्थिति से बचाव के लिए ड्रेनेज सिस्टम तथा प्रमुख नालों की युद्धस्तर पर सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री, नाव, लाइफ जैकेट तथा अन्य आवश्यक संसाधनों की अग्रिम उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही नगर निगम एवं एसडीआरएफ की बचाव टीमों को संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त संसाधनों सहित तैनात रखने तथा सभी नियंत्रण कक्षों को 24 7 सक्रिय रखने के निर्देश भी दिए।

जलस्त्रोतों पर सुरक्षा जाली और चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं

वर्षाकाल में पर्यटकों एवं आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपर कलेक्टर ने केरवा डैम,कलियासोत, अमरगढ़, महादेव पानी सहित जिले के अन्य संवेदनशील जलस्त्रोतों एवं पिकनिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने गहरी खाइयों एवं जलस्त्रोतों के समीप सुरक्षा जाली लगाने, चेतावनी सूचक बोर्ड स्थापित करने तथा आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि वर्षाकाल में जलस्त्रोतों पर विशेष सावधानी बरतें तथा प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

हर एसडीएम अपने क्षेत्र में गठित करेंगे आपदा प्रबंधन टीम

बैठक में सभी अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में समर्पित आपदा प्रबंधन टीमों का गठन करें तथा विभागों के बीच निरंतर समन्वय बनाए रखें। उन्होंने कहा कि किसी भी घटना की सूचना तत्काल नियंत्रण कक्ष तक पहुंचाई जाए, ताकि न्यूनतम रिस्पॉन्स टाइम के साथ राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया जा सके। जर्जर भवनों, बंद खदानों और कोचिंग संस्थानों पर विशेष निगरानी जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपर कलेक्टर श्री पांडे ने नगरीय निकायों को जिले के जर्जर एवं खतरनाक भवनों की सूची तैयार कर आवश्यकतानुसार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बंद पड़ी खदानों के चारों ओर सुरक्षित फेंसिंग कराने तथा दुर्घटना संभावित स्थलों पर सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने को कहा।बैठक में कोचिंग संस्थानों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई।

78 कार्यालय सहायक ग्रेड-तीन प्रशिक्षुओं की नियुक्ति

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड भोपाल द्वारा मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण एवं युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए कार्यालय सहायक ग्रेड-तीन के 78 प्रशिक्षुओं की नई भर्ती एवं नियुक्ति की गई है। नवनियुक्त सभी 78 कार्यालय सहायक ग्रेड-तीन प्रशिक्षुओं ने 29 मई को पावर डिस्ट्रीब्यूशन ट्रेनिंग सेंटर (PDTC), भोपाल में कार्यभार ग्रहण कर प्रारंभिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रारंभिक प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत उन्हें कंपनी के विभिन्न शहर एवं संचालन-संधारण वृत्तों में प्रशिक्षण के शेष मॉड्यूल पूर्ण करने के लिये पदस्थ किया गया है। इससे प्रशिक्षुओं को मैदानी स्तर पर कार्य का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा तथा वे भविष्य में अधिक दक्षता एवं प्रभावशीलता के साथ अपनी सेवाएँ प्रदान कर सकेंगे। यह भर्ती कंपनी के मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे प्रदेश के योग्य एवं शिक्षित युवाओं को रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। साथ ही कंपनी के विभिन्न कार्यालयों एवं क्षेत्रीय इकाइयों में मानव संसाधन की आवश्यकता की पूर्ति की दिशा में भी प्रभावी कदम उठाया गया है। कार्यालय सहायक ग्रेड-तीन प्रशिक्षुओं की नियुक्ति से कंपनी की प्रशासनिक कार्यप्रणाली को और अधिक गति मिलेगी तथा उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध सेवाएँ उपलब्ध कराने में सहायता प्राप्त होगी।

एमपीसीए इमर्जिंग टीम में विश्वास सारंग क्रिकेट अकादमी के अनिमेष सिंह का चयन

मंत्री श्री सारंग से की सौजन्य भेंट, मंत्री ने अनिमेष दी शुभकामनाएं

भोपाल (आरएनएस)। विश्वास सारंग क्रिकेट अकादमी के उभरते तेज गेदबाज अनिमेष सिंह का चयन एमपीसीए इमर्जिंग टीम में चयन हुआ है। श्री सिंह 7 से 21 जुलाई 2026 तक मध्यप्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए रणजी ट्राफी विजेता जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम के साथ चार अभ्यास मैच खेलेंगे।खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग से अनिमेष सिंह ने उनके निवास पर सौजन्य भेंट की। मंत्री श्री सारंग ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की और पूरी निष्ठा एवं आत्मविश्वास के साथ प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित किया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि "मध्यप्रदेश में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण लगातार मजबूत हो रहा है। राज्य सरकार खिलाड़ियों को बेहतर खेल अधोसंरचना, आधुनिक प्रशिक्षण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है।

इसी का परिणाम है कि प्रदेश की खेल प्रतिभाएं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं और लगातार निखरकर सामने आ रही हैं। हमें विश्वास है कि हमारे युवा खिलाड़ी आने वाले समय में देश और प्रदेश का नाम और ऊंचा करेंगे।" एमपीसीए इमर्जिंग टीम में भोपाल के चार प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को स्थान मिला है। इनमें अनिमेष सिंह, पृथ्वीराज सिंह तोमर, तनिष्क यादव और तनमय पांडे शामिल हैं। इन खिलाड़ियों का चयन हाल के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया है।

पीथमपुर में निर्माणाधीन रेलवे टनल का केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर ने किया निरीक्षण, गुणवत्ता और समयसीमा पर दिया जोर

धार, (ए.)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री एवं धार सांसद सावित्री ठाकुर ने कहा है कि लोकसभा क्षेत्र में संचालित रेल अवसंरचना परियोजनाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि बेहतर रेल संपर्क से क्षेत्र के औद्योगिक, आर्थिक और सामाजिक विकास को नई गति मिलेगी तथा किसानों, व्यापारियों, उद्योगों और आम नागरिकों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। इसी क्रम में गुरूवार को उन्होंने पीथमपुर में पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक रामाश्रय पांडे के साथ निर्माणाधीन रेलवे टनल और अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान वे करीब 70 फीट नीचे उतरकर टनल के भीतर पहुंचीं और रेलवे धक्का गाड़ी से यात्रा करते हुए आजादी के बाद पश्चिम रेलवे की सबसे बड़ी निर्माणाधीन रेलवे टनल की प्रगति का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान केंद्रीय मंत्री ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों और परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे किए जाएं और गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाएं जनता के विश्वास से जुड़ी होती हैं, इसलिए पारदर्शिता, गुणवत्ता और कार्यों में तेजी सुनिश्चित करना आवश्यक है।सावित्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में रेलवे के आधुनिकीकरण और विस्तार पर तेजी से काम हो रहा है तथा धार संसदीय क्षेत्र भी इस विकास यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा बन रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि परियोजना पूरी होने के बाद क्षेत्र में रेल संपर्क मजबूत होगा, औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, निवेश आकर्षित होगा और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।निरीक्षण के दौरान धार विधायक नीना विक्रम वर्मा, पश्चिम रेलवे के डीआरएम अश्विनी कुमार सहित रेलवे विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और अभियंता मौजूद रहे।

सोनम की जमानत के खिलाफ शीर्ष अदालत में याचिका, राजा के भाई को उसके फरार होने का डर

इंदौर(ए.)। मेघालय में 2025 में हनीमून के दौरान अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या करने की आरोपी सोनम रघुवंशी को जमानत दिए जाने के खिलाफ राज्य सरकार के बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय का रुख करने का मृतक के परिवार ने स्वागत किया। राजा के परिवार ने आशंका जताई कि जमानत पर लंबे समय तक बाहर रहने के दौरान सोनम सबूतों और गवाहों को प्रभावित कर सकती है या फरार हो सकती है। राजा के बड़े भाई विपिन रघुवंशी ने इंदौर में कहा,'हम सोनम की जमानत के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के लिए मेघालय सरकार को धन्यवाद देते हैं।' उन्होंने आशंका जताई कि लंबे वक्त तक जमानत पर बाहर रहने के दौरान सोनम सबूतों को नष्ट कर सकती है और गवाहों को प्रभावित कर सकती है। विपिन ने कहा, 'हमें यह डर भी है कि जमानत पर छूटने के बाद इन दिनों शिलांग में रह रही सोनम अचानक फरार हो सकती है।' उच्चतम न्यायालय में सोनम की जमानत के खिलाफ मेघालय सरकार की याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई होनी है। विपिन ने कहा, 'हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। हमें उम्मीद है कि सच की जीत होगी।'

सतना की 20 इलेक्ट्रिक बसें दूसरे शहर भेजने का आरोप, कांग्रेस ने सरकार को घेरा

सतना, (ए.)। मध्य प्रदेश के सतना जिले के लिए आवंटित 20 इलेक्ट्रिक बसों को कथित रूप से इंदौर और भोपाल भेजे जाने के आरोपों को लेकर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस ने इस मामले में सरकार और स्थानीय प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे सतना के साथ अन्याय बताया है। पार्टी ने गुरुवार को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की जांच कराने और बसों को तत्काल सतना वापस लाने की मांग की है।कांग्रेस विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा ने आरोप लगाया कि सतना के विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं के साथ लगातार भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी, एयरोड्रम, एलिवेटेड रोड और फ्लाईओवर जैसी योजनाओं में भी जिले की अनदेखी की गई है।उन्होंने सवाल उठाया कि जब सतना के लिए सुविधाएं स्वीकृत होती हैं, तो उन्हें दूसरे शहरों की ओर क्यों मोड़ दिया जाता है। साथ ही उन्होंने सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए।कांग्रेस ने कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में मांग की है कि सतना के हिस्से की 20 इलेक्ट्रिक बसों की वर्तमान स्थिति की जांच कराई जाए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि किन नियमों और किस प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत इन बसों को अन्य शहरों में भेजा गया।पार्टी ने मांग की है कि यदि बसों का स्थानांतरण नियमों के विपरीत हुआ है, तो उन्हें तत्काल सतना वापस लाया जाए।

ग्वालियर जिले में भी विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन

ग्वालियर(ए.)। ग्वालियर जिले में भी प्रदेश एवं देश के साथ विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (VB-G RAM G) का शुभारंभ गुरुवार को जनपद पंचायत मुरार की ग्राम पंचायत उदयपुर स्थित नीम पर्वत पर समारोहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुंवर जाटव ने दीप प्रज्ज्वलित कर योजना का शुभारंभ किया। परंपरागत वेषभूषा में सजधज कर अतिथियों सहित प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया एवं शंखनाद के साथ योजना का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका सत्येंद्र घुरैया, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत, जनपद पंचायत मुरार के अध्यक्ष दिलराज किरार, जिला एवं जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी, जिला पंचायत सदस्य, सरपंच, सचिव तथा ग्राम रोजगार सहायक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शंखनाद के साथ विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन का औपचारिक शुभारंभ किया गया। विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित शंखवादक विक्रम ने लगभग पाँच मिनट तक शंखनाद किया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सोजान सिंह रावत ने भी शंखनाद कर अभियान के शुभारंभ का संदेश दिया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने योजना के उद्देश्य और ग्रामीण विकास में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। सरपंचों, सचिवों एवं ग्राम रोजगार सहायकों ने भी अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में वीर नारी स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा गोबर से निर्मित पर्यावरण अनुकूल मालाओं से अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अभिनव पहल ने पर्यावरण संरक्षण और महिला स्व-सहायता समूहों की सृजनात्मक भूमिका का प्रभावी संदेश दिया।

हरिफाटक रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य की गति बढ़ाएँ : संभागायुक्त श्री सिंह

उज्जैन (ए.)। उज्जैन, 2 जुलाई । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सिंहस्थ-2028 के तहत श्रद्धालुओं की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न विकास कार्य निर्माणाधीन हैं। निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह द्वारा नियमित निरीक्षण कर निर्देश दिए जा रहे हैं। गुरुवार को श्री सिंह ने निर्माणाधीन हरिफाटक रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के निरीक्षण के दौरान ब्रिज निर्माण कार्य में गति बढ़ाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा भी मौजूद रहे।

सिंहस्थ-2028 के अंतर्गत प्रचलित निर्माण कार्यों के नियमित निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त आशीष सिंह द्वारा मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) के अंतर्गत प्रचलित महत्वपूर्ण परियोजनाओं में हरिफाटक रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण कार्य का मौके पर पहुँचकर स्थलीय निरीक्षण किया गया। हरिफाटक ओवरब्रिज निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी लेने के बाद संभागायुक्त श्री सिंह ने महत्वपूर्ण परियोजना में बाधक संरचनाओं को नियमानुसार शीघ्र खाली कराए जाने के साथ ही ब्रिज निर्माण कार्य में गति बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

रेलवे स्टेशन पर युवक को चोर समझकर पीटा, रेल पुलिस मुख्यालय ने जांच के दिए आदेश

ग्वालियर (ए.)। रेलवे स्टेशन पर एक युवक की चोरी के आरोप में वहां मौजद भीड़ द्वारा बेरहमी से पिटाई करने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर युवक की पिटाई का वीडियो तेजी से वायरल होने के बाद रेलवे पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। चोरी के आरोप लगने के बाद की भीड़ द्वारा की गई पिटाई का यह मामला जब चर्चा में सामने आया है, जब रेल प्रशासन हरकत में आया और संबंधित जांच अधिकारी GRP सब इंस्पेक्टर को लाइन अटैच कर पूरे प्रकरण की जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है। पिटाई की यह घटना 29 जून की शाम तकरीबन 4 बजे की प्लेटफॉर्म नंबर-2 की बताई जा रही है। बताया गया है कि एक महिला यात्री ने युवक पर आरोप लगाया कि युवक ने महिला के कान से सोने की बाली खींचने की कोशिश की थी। महिला के शोर मचाते ही रेलवे प्लेटफॉर्म पर मौजूद यात्रियों ने युवक को पकड़ लिया। उसके बाद भीड़ ने युवक की जमकर पिटाई कर दी। इस दौरान युवक ने खुद को बचाने के लिए अपनी बच्ची को गोद में उठा लिया और उसकी यह हरकत देख वहां मौजूद सभी लोग उस पर गुस्सा हो गए। इसके बाद उन्होंने उसकी और पिटाई की। इस पूरी घटना का वीडियो मौके पर मौजूद लोगों ने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

व्यापार समाचार

टीवीएस मोटर की जून महीने में बिक्री 47 फीसदी बढ़कर हुई 5.90 लाख इकाई

नई दिल्ली,(ए.)। देश की तीसरी सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी की जून में कुल बिक्री सालाना आधार पर 47 फीसदी बढ़कर 5,90,003 इकाई हो गई। पिछले वर्ष इसी महीने यह 4,02,001 इकाई रही थी।टीवीएस मोटर ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि मोपेड सहित कुल दोपहिया वाहन की बिक्री 47 फीसदी बढ़कर 5,65,417 इकाई रही, जो जून, 2025 में 3,85,698 इकाई रही थी। घरेलू दोपहिया वाहन बिक्री जून में 46 फीसदी बढ़कर 4,11,014 इकाई रही, जबकि जून, 2025 में यह 2,81,012 इकाई थी। कंपनी ने कहा कि जून महीने में मोटरसाइकिलों की बिक्री सालाना आधार पर 1,88,774 इकाई से 42 फीसदी बढ़कर 2,67,096 इकाई रही।स्कूटरों की बिक्री 53 फीसदी बढ़कर 2,47,950 इकाई हो गई, जबकि जून, 2025 में यह 1,62,291 इकाई थी। वाहन विनिर्माता कंपनी ने बताया कि उसके इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री तीगुना होकर जून में 48,537 इकाई हो गई, जो जून 2025 में 14,400 इकाई थी।कंपनी ने जून के दौरान 24,586 तिपहिया वाहन भी बेचे। इसी दौरान अंतरराष्ट्रीय कारोबार से कुल बिक्री 47 फीसदी बढ़कर 1,72,355 इकाई रही, जबकि जून, 2025 में यह 1,17,145 इकाई थी। कंपनी की अंतरराष्ट्रीय दोपहिया वाहन बिक्री भी 48 फीसदी बढ़कर 1,54,403 इकाई हो गई, जो पिछले वर्ष इसी महीने में 1,04,686 इकाई थी। टीवीएस मोटर ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 16.31 लाख इकाई की अब तक की सर्वाधिक तिमाही बिक्री दर्ज की है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में दोपहिया वाहनों की बिक्री 27 फीसदी बढ़कर 15.64 लाख इकाई हो गई। तिपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 48 फीसदी बढ़कर 67,000 इकाई रही। इस तरह कंपनी का कुल अंतरराष्ट्रीय कारोबार 33 फीसदी बढ़कर 4.68 लाख इकाई हो गया।

यूजरनेम होगा ऑप्शनल, व्हाट्सएप ने साफ की नई फीचर की पूरी तस्वीर

नई दिल्ली ए.)। व्हाट्सएप ने अपने नए 'यूजरनेम' फीचर को लेकर एफएक्यू (लगातार पूछे जाने वाले सवालों के जवाब) जारी किया है, जिसमें सोशल मीडिया कंपनी ने कहा कि 'यूजरनेम' फीचर अनिवार्य नहीं, बल्कि वैकल्पिक है।सोशल मीडिया पर जारी इस एफएक्यू में 'यूजरनेम' फीचर की प्राइवेसी पर व्हाट्सएप ने कहा कि जैसे आप व्हाट्सएप में किसी अनजान का फोन नंबर नहीं खोज सकते, वैसे ही आप यूजरनेम भी नहीं खोज सकते हैं।साथ ही, अनचाहे संपर्क को रोकने के लिए सभी मौजूदा उपाय लागू रहेंगे, जिनमें अनजान मैसेज भेजने वालों के बारे में जानकारी देने वाली चेतावनियां (जैसे कि क्या वे नया अकाउंट हैं, क्या आप कोई ग्रुप शेयर करते हैं, या वे किस देश में हैं) और ब्लॉक व रिपोर्ट करने की सुविधा शामिल है। इसके अलावा, कंपनी यूजर्स को सलाह दी कि किसी को आपसे संपर्क करने से रोकने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप एक यूजरनेम की जोड़ें और ऐसा यूजरनेम चुनें जो व्हाट्सएप पर यूनिक हो।

अदाणी ग्रुप, आईएचसी के साथ मिलकर ओडिशा में बनाएगा नया एल्युमीनियम प्लांट, एक लाख रुपए से अधिक होंगे निवेश

भुवनेश्वर/अहमदाबाद (ए.)। अदाणी ग्रुप ने गुरुवार को अबु धाबी की इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी (आईएचसी) के साथ मिलकर ओडिशा में नया एल्युमीनियम प्लांट लगाने का ऐलान किया है। इसमें 11.5 अरब डॉलर (करीब 1.08 लाख करोड़ रुपए) का निवेश प्रस्तावित है।

इस प्रस्तावित एल्युमीनियम प्रोजेक्ट के लिए भुवनेश्वर में आयोजित एमओयू हस्ताक्षर समारोह में, अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) के मैनेजिंग डायरेक्टर करण अदाणी ने कहा कि अदाणी ग्रुप का यह प्रोजेक्ट असल में ग्लोबल स्तर पर उसकी महत्वाकांक्षा को दिखाता है। करण अदाणी ने कहा, 11.5 अरब डॉलर (लगभग 1.08 लाख करोड़ रुपए) के प्रस्तावित निवेश के साथ, यह दुनिया भर में एल्युमीनियम इकोसिस्टम में किए गए सबसे अहम निवेशों में से एक है। लेकिन इसकी असली अहमियत सिर्फ निवेश की रकम में नहीं है, बल्कि इसके असर की गहराई में है।लोगों को संबोधित करते हुए करण अदाणी ने कहा, हम यहां सिर्फ ऐतिहासिक एमओयू के गवाह बनने के लिए नहीं, बल्कि ओडिशा के लिए एक नए आर्थिक अध्याय की शुरुआत करने के लिए इकट्ठा हुए हैं, जो भारत की विकास यात्रा को आकार देगा और उसे गति देगा।इस प्रोजेक्ट का असली महत्व न केवल निवेश के आकार में है, बल्कि इसके असर की गहराई में भी है।करण अदाणी ने कहा, यह प्रोजेक्ट पूरी एल्युमीनियम वैल्यू चेन को एक इंटीग्रेटेड इकोसिस्टम में एक साथ लाता है। इसमें सालाना लगभग 4 मिलियन टन क्षमता वाली एल्युमिना रिफाइनरी, सालाना लगभग 2

मिलियन टन क्षमता वाला एल्युमीनियम स्मेल्टर और सालाना लगभग 1 मिलियन टन क्षमता वाला डाउनस्ट्रीम एल्युमीनियम पार्क शामिल है।इसे लगभग 4,000 मेगावाट की कैप्टिव पावर क्षमता और लगभग 400 मेगावाट के ग्रीन एनर्जी का सपोर्ट मिलेगा।उन्होंने बताया, ये आंकड़े सिर्फ संख्याएं नहीं हैं। ये एक नए औद्योगिक भविष्य की नींव हैं। निर्माण के दौरान, यह प्रोजेक्ट लगभग 35,000 नौकरियां पैदा करेगा। ऑपरेशन के दौरान, यह लगभग 18,500 नौकरियों को सृजित करेगा।

करण अदाणी ने कहा, इनमें से हर आंकड़े के पीछे एक परिवार, एक सपना, कोई युवा जो हुनर सीख रहा है, कोई छोटा बिजनेस जिसे ऑर्डर मिला है, कोई स्थानीय उद्यमी जिसे बाजार मिला है, और कोई समुदाय जो नए मौके देख रहा है । ये सब शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा, आईएचसी और सभी पार्टनर, हम ओडिशा और भारत में आपके भरोसे का स्वागत करते हैं।

ईवी अपनाने से 2030 तक आयात बिल में एक लाख करोड़ रुपये की बचत संभव

नई दिल्ली (ए.)। पश्चिम एशिया संकट के चलते भारतीयों का इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की तरफ रुझान बढ़ा है और 2030 तक ईवी की बाजार हिस्सेदारी 20 प्रतिशत पहुंचने से आयात बिल में एक लाख करोड़ रुपए की कमी आ सकती है। यह जानकारी एसबीआई रिसर्च की ओर से गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।मौजूदा समय में भारतीय बाजार में ईवी की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत है। अमेरिका-ईरान युद्ध 28 फरवरी को शुरू होने के बाद भारत में ईवी के पंजीकरण में जोरदार तेजी देखने को मिली। मार्च-जून की अवधि में देश में औसत 2.3 लाख ईवी प्रति माह पंजीकृत हुए हैं, यह आंकड़ा 2025 में औसत 1.3 लाख प्रति माह था।रिपोर्ट में कहा गया, मौजूदा रफ्तार को देखते हुए, हमें लगता है कि 2026 में कुल ईवी पंजीकरण 25 लाख का आंकड़ा पार कर सकते हैं।

कुल पंजीकरण में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। 2024 में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी 2 प्रतिशत से भी कम थी, जो 2026 में अब तक बढ़कर 8 प्रतिशत से अधिक हो गई है।

सोना स्थिर, चांदी की चमक बरकरार; कीमतों में आधा फीसदी से ज्यादा उछाल

मुंबई , (ए.)। सोने और चांदी में गुरुवार को मिलाजुला कारोबार देखने को मिल रहा है। एक तरफ सोना करीब सपाट बना हुआ है, दूसरी तरफ चांदी में आधा प्रतिशत से अधिक की तेजी देखी जा रही है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,44,430 रुपए के मुकाबले 548 रुपए या 0.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,43,882 रुपए पर खुला, लेकिन शुरुआती कारोबार में ही इसमें खरीदारी देखने के मिली।

सुबह 9:48 पर यह 244 रुपए या 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,44,206 रुपए पर था।अब तक के कारोबार में सोने ने 1,43,882 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,44,448 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

सोने की अपेक्षा चांदी में तेजी देखी जा रही है। चांदी का 5 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,30,384 रुपए के मुकाबले 812 रुपए या 0.35 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,31,196 रुपए पर खुला।फिलहाल यह 1,253 रुपए या 0.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,31,637 रुपए पर था।अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,30,973 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,32,339 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। सोना 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,076 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ 60.59 डॉलर प्रति औंस पर थी।

लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने कमाए 3.81 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली, (ए.)। आईटी सेक्टर के शेयरों में आई जोरदार तेजी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई नरमी से उत्साहित घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले तक उतार-चढ़ाव होता रहा, लेकिन दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लगातार लिवाली का जोर बनाए रखा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.75 प्रतिशत और निफ्टी 0.71 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।आज दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी, ऑटोमोबाइल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, कैपिटल गुड्स, पावर और टेलीकॉम सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज लिवाली होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.25 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने चार लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 479.75 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 475.94 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.81 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,458 शेयरों में

एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,536 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,740 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 182 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 3,001 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,991 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान और 1,010 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर बढ़त के साथ और सात शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 36 शेयर हरे निशान में और 14 शेयर लाल निशान में बंद हुए।बीएसई का सेंसेक्स आज 160.50 अंक की मजबूती के साथ 77,083.14 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लिवाली के सपोर्ट से सेंसेक्स उछल कर 77,449.25 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल कमजोर पड़ने लगी।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

छवि से बंध जाना सही सोच नहीं

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स का अपना महत्त्व है। इसलिए उन पर गौर किया जाना चाहिए। लेकिन कृत्रिम ढंग से उनमें दर्जा बढ़ाने की कोशिशें हानिकारक हैं। फिर रैंकिंग्स में उभरने वाली छवि से बंध जाना सही सोच नहीं है।यह अच्छी खबर है कि क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भारतीय विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ी है। 500 विश्वविद्यालयों की इस ताजा सूची में भारत की 54 यूनिवर्सिटीज शामिल हुई हैं। इसमें भारत की नुमाइंदगी अब आईआईटी या आईआईएस जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों तक सीमित नहीं रह गई है। बल्कि कई प्राइवेट यूनिवर्सिटीज, राज्यों के विश्वविद्यालय और केंद्रीय संस्थानों ने भी इसमें जगह बनाई है। हालांकि यह अप्रिय तथ्य अब भी कायम है कि टॉप 100 यूनिवर्सिटीज में एक भी भारतीय विश्वविद्यालय नहीं है। टॉप 200 में भारत के सिर्फ तीन विश्वविद्यालय ही आए हैं। सबसे ऊपर 118वें स्थान पर आईआईटी दिल्ली आई है।बहरहाल, शिक्षा संस्थानों के स्तर को जानने के लिए रैंकिंग्स भले एक प्रचलित माध्यम हों, लेकिन इनके आधार पर किसी देश में शिक्षा की वास्तविक स्थिति का अंदाजा लगाना सही नजरिया नहीं होगा। मसलन, क्यूएस रैंकिंग की यह एक बड़ी आलोचना है कि इसमें विश्वविद्यालय की अकादमिक प्रतिष्ठा को अत्यधिक महत्त्व दिया जाता है। इसका भार 40 प्रतिशत तक है। प्रतिष्ठा मनोगत पैमाना है, जो सर्वेक्षण में शामिल व्यक्तियों की जानकारी एवं पूर्व-धारणाओं से तय होती है। एक अन्य पैमाना विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों की उपस्थिति है। भारतीय विश्वविद्यालय इस पैमाने पर पिछड़ जाते हैं। इसलिए क्यूएस या ऐसी अन्य रैंकिंग्स में भारत की स्थिति अपने-आप में समस्या नहीं है। समस्या यूनिवर्सिटी शिक्षा तक सीमित वर्गों की पहुंच, वास्तविक अनुसंधान पर कम ध्यान, और जाने वाली शिक्षा का रोजगार बाजार से कमजोर संबंध हैं।इस ओर ध्यान देने के बजाय रैंकिंग में आगे बढ़ने की होड़ का खराब असर यह हुआ है कि विश्वविद्यालयों में प्रति फैकल्टी प्रकाशनों की संख्या बढ़ाने और उन प्रकाशनों का आपस में उद्धरण देने जैसी विकृतियां उभरी हैं। इसलिए आवश्यकता रैंकिंग्स से आगे सोचने की है। इसके लिए उच्च शिक्षा के लिए जीडीपी का अधिक हिस्सा आवंटित करना, शिक्षक-छात्र अनुपात सुधारना और शोध संस्कृति को बढ़ावा देना अनिवार्य है। वैश्विक शोध नेटवर्क से जुड़ने और संकाय आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की भी जरूरत है। रैंकिंग्स को पूरी तरह ठुकराना ठीक नहीं होगा, लेकिन इसमें उभरने वाली छवि से बंध जाना सही सोच नहीं है।

सीजेपी के आंदोलन के पीछे साजिश ?

अजीत द्विवेदी

जिसको देखिए वह कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी पर संदेह कर रहा है। उससे जुड़े लोगों की पृष्ठभूमि खोजी जा रही है। किसी के बारे में कहा जा रहा है कि वह एक समय में नरेंद्र मोदी का प्रशंसक था किसी के बारे में जानकारी दी जा रही है और वह आम आदमी पार्टी का सोशल मीडिया हैंडल करता था। किसी को राहुल गांधी का विरोध करने वाला बताया जा रहा है तो किसी को ब्राह्मण विरोधी ठहराया जा रहा है। सोचें, युवाओं का एक समूह इस समय का सबसे ज्वलंत मुद्दा उठा कर सरकार के खिलाफ अभियान छेड़े हुए है। लेकिन जरूरी मुद्दे उठाने में असफल रहे लोग उनकी पृष्ठभूमि निकाल कर उनको निशाना बना रहे हैं।

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके और तीनों प्रवक्ताओं सौरव दास, विजेता दहिया और आशुतोष रंका की पृष्ठभूमि खोज कर उनके ऊपर हमला किया जा रहा है। कांग्रेस का इकोसिस्टम इन लोगों को युवाओं व छात्रों का एजेंडा हाईजैक करने के लिए भाजपा की ओर से प्लांट किया गया बता रहे है तो भाजपा के नेता सीजेपी की तुलना अन्ना हजारे व अरविंद केजरीवाल के आंदोलन से कर रहे हैं और इसे अर्बन नक्सल समूह कह रहे हैं।

सवाल है कि इस समूह और इसके आंदोलन को वर्तमान हालात से पैदा हुए असंतोष और युवाओं की बेचैनी की स्वाभाविक प्रतिक्रिया क्यों नहीं माना जा सकता है? यह मानने में क्या समस्या है कि आज किशोर और युवा परीक्षा में हो रही गड़बड़ियों और नौकरी व रोजगार की घटती संभावनाओं की वजह से परेशान हैं और इसलिए उन्हें एक प्लेटफॉर्म मिला तो वे वहां से अपनी परेशानी का इजहार कर रहे हैं? अभिजीत दीपके या सीजेपी से जुड़े दूसरे लोगों ने किशोरों और युवाओं को अपनी नाराजगी और असंतोष जाहिर करने का एक मंच दिया है, जहां से वर्तमान समय की सबसे ज्वलंत समस्या को उठा रहे हैं। सीजेपी के लोग पेपर लीक का विरोध कर रहे हैं, सभी प्रतियोगिता परीक्षाओं की शुचिता बहाल करने की मांग कर रहे हैं और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे हैं। इन मांगों से भला विपक्ष की पार्टी या नेता को क्या समस्या हो सकती है? युवाओं का यह समूह भाजपा की विभाजनकारी राजनीति को भी निशाना बना रहा है। इसलिए आप इसे सांप्रदायिक भी नहीं कह सकते हैं।

तभी सवाल है कि कहीं ऐसा तो नहीं है कि सीजेपी के आंदोलन को विपक्ष, खास कर कांग्रेस पार्टी अपनी विफलता के तौर पर देख रही हो और इस वजह से इनको निशाना बनाया जा रहा हो? यह संभव है क्योंकि मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस इतने बड़े मुद्दे पर इस तरह का कोई आंदोलन नहीं खड़ा कर सकी इसलिए सीजेपी को मौका मिला। अगर कांग्रेस युवाओं के असंतोष को आवाज दे रही होती और उस असंतोष को प्रकट

करने का मंच दे रही होती तो शायद सीजेपी जैसे किसी समूह की जरुरत नहीं पड़ती। ध्यान रहे सीजेपी अभी तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बना एक अकाउंट भर है। उसके पास न कोई संगठन है, न कोई बड़ा चेहरा है और न किसी राजनीतिक अभियान को चलाने का प्रशिक्षण या अनुभव है।फिर भी उस मंच से करोड़ों युवा जुड़े और उसके आह्वान पर हजारों लोग 40 डिग्री सेल्सियस की गर्मी में सड़कों पर प्रदर्शन के लिए उतरे। कहने को कह सकते हैं कि राहुल गांधी ने लगातार सोशल मीडिया में पोस्ट लिखी और प्रभावित छात्रों से मुलाकात की लेकिन यह समझने की जरुरत है कि समस्या जितनी बड़ी है उसके मुकाबले कांग्रेस का प्रयास बहुत छोटा और सुविधाजनक है। ड्राइंग रूम में बैठ कर 18 साल के छात्र से बात करना और उसकी वीडियो साझा करके सरकार पर हमला करना बहुत आसान है।बहरहाल, जंतर मंतर पर प्रदर्शन के लिए इकट्ठा हुए लोगों की संख्या असल में कितनी थी, किसके साथ ज्यादा भीड़ आई, किसका भाषण कैसा हुआ, कितनी देर प्रदर्शन चला, कौन जल्दी चला गया, किसको गर्मी लग रही थी और किसको एसी में बैठना था इन बातों का कोई मतलब नहीं है। जंतर मंतर पर यह तस्वीर दिखी कि हजारों लोग इकट्ठा हुए, जिनमें परीक्षा की गड़बड़ियों और पेपर लीक से परेशान छात्र थे तो नौकरी नहीं मिलने से परेशान युवा भी थे और रोजगार की घटती संभावना से बेचैन अधेड़ लोग भी थे। मुख्यधारा की मीडिया ने भले इसका बहिष्कार किया लेकिन राजधानी और आसपास के क्षेत्रों के तमाम छोटे बड़े यूट्यूबर वहां मौजूद थे। उन्होंने इसे अपने अपने हिसाब से कवर किया और देश के हर हिस्से में करोड़ों लोगों ने इसे देखा। किसी राजनीतिक या सामाजिक घटनाक्रम में लोगों में ऐसी उत्सुकता अरसे बाद देखने को मिली। किसान आंदोलन के बाद पहली बार ऐसे संगठित प्रतिरोध का स्वर पहली बार सुनाई दिया।

अभी इसको इसी रूप में देखने की जरुरत है, जब तक कि कोई दूसरी बात प्रमाणित नहीं हो जाती है। लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने इसे इसी रूप में देखा तो सीपीआई माले के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य और सीपीआई की एनी राजा ने भी इसे ऐसे ही देखा। उनको लग रहा है कि युवाओं का एक समूह एक जरूरी मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहा है तो उसका साथ देना चाहिए। राजनीतिक और वैचारिक असहमति अपनी जगह है। विपक्ष की ईमानदारी भी इसमें है कि परीक्षाओं में हो रही गड़बड़ी के खिलाफ जो आंदोलन हो रहे हैं, सरकार को जवाबदेह बनाने का जो प्रयास हो रहा है, जिम्मेदार लोगों को पद से हटाने की जो मांग हो रही है, उसके समर्थन में खड़ा हो।

लेकिन मुख्य विपक्षी पार्टी के नेता और उसके इकोसिस्टम के लोग इस पर संदेह पैदा कर रहे हैं और इसकी साख खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। उनको समझ में नहीं आ रहा है कि ऐसी कोशिशों से सरकार को फायदा होगा। युवाओं में अनिश्चितता और संशय बढ़ेगा। उनके भीतर असहायता पनपेगी कि उनका साथ देने वाला कोई नहीं है। यह संशय और अविश्वास अंततः उन्हें सत्तापक्ष की बातों पर भरोसा करने के लिए प्रेरित करेगा। अगर राजनीतिक नजरिए से भी देखें तो कांग्रेस को समझना चाहिए कि जिस तरह से उसकी सरकार के खिलाफ इंडिया अगेंस्ट करप्शन का आंदोलन चला और लोगों के बीच बने माहौल का लाभ अपने मजबूत संगठन के दम पर भाजपा ने उठाया वैसे ही अभी कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से बनाए जा रहे माहौल का लाभ कांग्रेस उठा सकती है। कांग्रेस को अपने आप को इसके लिए तैयार करना चाहिए। ध्यान रहे भाजपा और उसके सहयोगियों ने इंडिया अगेंस्ट करप्शन के आंदोलन को परदे के पीछे से समर्थन दिया था, जबकि अभी एनडीए सरकार को सबसे अधिक मुश्किल में डालने वाले आंदोलन का कांग्रेस विरोध कर रही है!असल में अन्ना हजारे और अरविंद केजरीवाल का आंदोलन जिस अंजाम को प्राप्त हुआ उसने लोगों को आशंकित बना दिया है। लोग हर चीज पर शंका करने लगे हैं। दूसरी ओर केंद्र में सत्तारूढ़ लोगों ने पिछले 12 साल में ऐसी संस्कृति को बढ़ावा दिया है, जिसमें हर तरह की असहमति को शत्रुता मानने का चलन बढ़ा है। प्रतिरोध की हर आवाज को साजिश बताया जाने लगा है। हर आंदोलन को किसी बाहरी टूलकिट का उद्यम माना जाने लगा है।

विशेष लेख : नैनो उर्वरक-छत्तीसगढ़ के खेती-किसानी में आई नई क्रांति

तेजबहादुर सिंह भुवाल

छत्तीसगढ़ को देश का धान का कटोरा कहा जाता है। यहां की अधिकांश आबादी कृषि पर निर्भर है और किसानों की समृद्धि राज्य के विकास से सीधे जुड़ी हुई है। बदलते समय के साथ खेती में नई तकनीकों का उपयोग बढ़ रहा है, जिनमें नैनो उर्वरक किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण नवाचार के रूप में उभरा है। कम लागत, अधिक प्रभाव और पर्यावरण संरक्षण जैसे गुणों के कारण नैनो उर्वरक आज किसानों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा हैं।

नैनो उर्वरक अत्यंत सूक्ष्म कणों से निर्मित होते हैं, जिन्हें पौधे तेजी से और अधिक मात्रा में अवशोषित कर लेते हैं। इसके कारण पौधों को आवश्यक पोषक तत्व सही समय पर उपलब्ध हो जाते हैं और फसलों का विकास बेहतर तरीके से होता है। पारंपरिक उर्वरकों की तुलना में इनकी मात्रा कम लगती है, जिससे किसानों का खर्च घटता है और उत्पादन में वृद्धि होती है।

छत्तीसगढ़ में धान, मक्का, चना, अरहर तथा सब्जी फसलों में नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का उपयोग किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। प्रदेश में कई किसानों ने अनुभव किया है कि नैनो उर्वरकों के प्रयोग से फसल की पैदावार बेहतर होती है, पौधे अधिक हरे-भरे रहते हैं और उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार होता है। नैनो उर्वरकों का एक बड़ा लाभ यह भी है कि इनके उपयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव कम पड़ता है। रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से जहां भूमि की गुणवत्ता प्रभावित होती है, वहीं नैनो उर्वरक संतुलित पोषण प्रदान कर मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायता करते हैं। साथ ही जल स्रोतों में रासायनिक तत्वों के बहाव को भी कम करते हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। परिवहन और भंडारण की दृष्टि से भी नैनो उर्वरक काफी सुविधाजनक हैं। पारंपरिक उर्वरकों की भारी बोरियों की जगह छोटी बोतलों में उपलब्ध नैनो उर्वरक किसानों के लिए आसानी से ले जाने और उपयोग करने योग्य होते हैं। इससे समय और श्रम दोनों की बचत होती है।

कन्या भ्रूण हत्या पर निर्णायक प्रहार-क्या अब पीसीपीएनडीटी अधिनियम (संशोधित) 2003 के साथ कठोर आपराधिक कानूनों का संयोजन बनेगा,

अवैध लिंग परीक्षण माफिया के अंत का सबसे प्रभावी हथियार? -सभी राज्यों को अपनाने की ज़रूरत -समग्र व्यापक विश्लेषण

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत को सदियों से मातृशक्ति की पूजा करने वाली सभ्यता माना जाता है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:।" अर्थात जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का वास होता है। किंतु विडंबना यह है कि आधुनिक विज्ञान की प्रगति का कुछ लोगों ने दुरुपयोग कर कन्या भ्रूण हत्या जैसे अमानवीय अपराध को जन्म दिया अल्ट्रासोनोग्राफी जैसी तकनीक, जिसका उद्देश्य गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य की रक्षा करना था,उसे भ्रूण के लिंग का अवैध परीक्षण कर बेटियों के जन्म से पहले ही उनका जीवन समाप्त करने के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि संविधान, मानवाधिकार, महिला सम्मान और मानवता पर सीधा प्रहार है।इसी गंभीर सामाजिक चुनौती से निपटने के लिए भारत सरकार ने वर्ष 1994 में प्री- कन्सेप्शन एंड प्री-नेटल डायग्नोस्टिक टेक्नीक्स (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम (पीसीपीएनडीटी एक्ट) लागू किया,जिसे वर्ष 2003 में और अधिक कठोर बनाया गया। इस कानून का मूल उद्देश्य स्पष्ट है,गर्भधारण से पहले या गर्भावस्था के दौरान किसी भी प्रकार का लिंग चयन अथवा भ्रूण का लिंग बताना पूर्णतः प्रतिबंधित है। कानून केवल डॉक्टरों पर ही नहीं, बल्कि ऐसे पूरे तंत्र पर लागू होता है जो अवैध लिंग परीक्षण या कन्या भ्रूण हत्या में किसी भी रूप में शामिल हो। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि हाल के वर्षों में महाराष्ट्र सहित देश के अनेक राज्यों में सामने आए मामलों ने यह संकेत दिया है कि लिंग परीक्षण का अवैध कारोबार अब केवल व्यक्तिगत अपराध नहीं रह गया है। इसमें दलाल,एजेंट,अवैध सोनोग्राफी केंद्र,नकली दस्तावेज तैयार करने वाले लोग तथा आर्थिक लाभ के लिए संगठित रूप से काम करने वाले गिरोह शामिल पाए जा रहे हैं।विशेष रूप से पुणे में सामने आए चर्चित प्रकरण ने पूरे राज्य और देश का ध्यान आकर्षित किया। विधानसभा में इस मामले का उल्लेख करते हुए कई जनप्रतिनिधियों ने इसे संगठित अपराध की श्रेणी में रखने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि केवल डॉक्टर को दंडित करने से समस्या का समाधान नहीं होगा,बल्कि पूरे अपराधी नेटवर्क को ध्वस्त करना होगा।इसी पृष्ठभूमि में 1 जुलाई 2026 को महाराष्ट्र विधानसभा में स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट संकेत दिए कि सरकार पीसीपीएनडीटी कानून को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए गंभीरता से विचार कर रही है।उन्होंने कहा कि यदि कोई गिरोह बार-बार अवैध लिंग परीक्षण और कन्या भ्रूण हत्या जैसे अपराधों में शामिल पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध और अधिक कठोर कानूनी प्रावधानों के उपयोग की संभावनाओं का परीक्षण किया जाएगा। साथ ही संबंधित विभागों को निगरानी मजबूत करने, डिकॉय ऑपरेशन बढ़ाने, पंजीकृत सोनोग्राफी केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने तथा दोषियों के विरुद्ध शीघ्र अभियोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

साथियों, आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन की है। देश में हजारों पंजीकृत सोनोग्राफी केंद्र संचालित हैं,जहाँ प्रत्येक जांच का रिकॉर्ड निर्धारित प्रारूप में रखना अनिवार्य है। रिकॉर्ड में हेराफेरी,गलत जानकारी देना अथवा आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध न कराना भी कानून के अंतर्गत दंडनीय अपराध है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि चिकित्सा तकनीक का उपयोग केवल चिकित्सकीय आवश्यकता के लिए हो,न कि भ्रूण के लिंग का पता लगाने के लिए।पीसीपीएनडीटीअधिनियम के तहत पहली बार अपराध सिद्ध होने पर तीन वर्ष तक का कारावास और जुर्माने का प्रावधान है। पुनरावृत्ति की स्थिति में पाँच वर्ष तक की सजा तथा अधिक जुर्माना लगाया जा सकता है। संबंधित चिकित्सक का पंजीकरण निलंबित या रद्द किया जा सकता है तथा सोनोग्राफी केंद्र का लाइसेंस भी समाप्त किया जा सकता है। किंतु प्रश्न यह है कि यदि अपराध संगठित रूप से किया जा रहा हो, तो क्या इतनी सजा पर्याप्त है? यही प्रश्न आज राष्ट्रीय बहस का विषय बन चुका है।

साथियों, वास्तव में कन्या भ्रूण हत्या का प्रभाव केवल एक परिवार तक सीमित नहीं रहता। इसका दुष्परिणाम पूरे समाज पर पड़ता है। जब बाल लिंगानुपात लगातार असंतुलित होता है,तब भविष्य में विवाह योग्य महिलाओं की संख्या घटती है, जिससे मानव तस्करी,जबरन विवाह महिलाओं के विरुद्ध अपराध और सामाजिक असंतुलन जैसी गंभीर समस्याएँ जन्म लेती हैं। इसलिए यह केवल स्वास्थ्य विभाग का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक न्याय, महिला अधिकार और सतत विकास का भी विषय है।भारत ने "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" जैसे अभियानों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास किया है। अनेक राज्यों में बालिका शिक्षा, कन्या जन्म प्रोत्साहन और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए योजनाएँ चलाई जा रही हैं। किंतु यदि दूसरी ओर अवैध लिंग परीक्षण का कारोबार चलता रहेगा, तो इन सभी प्रयासों की प्रभावशीलता सीमित हो जाएगी। इसलिए कानून और सामाजिक जागरूकता दोनों का समान महत्व है।

साथियों, विशेषज्ञों का मानना है कि अब समय आ गया है जब केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय अपराध की पूरी श्रृंखला को समाप्त करने की रणनीति अपनाई जाए।इसमें डिजिटल रिकॉर्ड, अल्ट्रासाउंड मशीनों की ट्रैकिंग,कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी, अंतरराज्यीय समन्वय, वित्तीय लेन-देन की जांच और मुखबिर तंत्र को मजबूत करना जैसे उपाय अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। जिस प्रकार मादक पदार्थों की तस्करी, हवाला, मानव तस्करी और संगठित अपराध के विरुद्ध नेटवर्क आधारित कार्रवाई की जाती है, उसी प्रकार अवैध लिंग परीक्षण के नेटवर्क पर भी प्रहार आवश्यक है। यह भी ध्यान रखना होगा कि सभी चिकित्सकों को संदेह की दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। देश के अधिकांश डॉक्टर कानून का पालन करते हैं और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा। आज व्यवसाय संबंधी नई जानकारियां हासिल करना जरूरी है। मीडिया और ऑनलाइन कामों से जुड़े बिजनेस में फायदा होगा।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए पाजिटिव रहेगा। ऑफिस में कलीग्स के साथ आपका तालमेल अच्छा रहेगा। सॉफ्टवेयर इंजीनियर अपने किसी ड्रीम प्रोजेक्ट के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। साथ ही आज उन्हें किसी बड़ी कंपनी से जॉब का ऑफर आ सकता है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए नए अवसर लेकर आने वाला है। आज आप अपनी गतिविधियों को गोपनीय रखें साथ ही आसपास की गतिविधियों को नजर अंदाज ना करें। आज किसी विशेष योजना को लागू करने के लिए सक्रियता और सतर्कता बनाए रखने से सफलता मिलेगी।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए सार्थक रहेगा। आज रियल स्टेट से जुड़े लोगों की डील फायदेमंद हो सकती हैं। आज आप चुनौतियों को स्वीकार करते हुए कुछ क्रिएटिव करेंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपको घर के वरिष्ठ सदस्यों से प्रेरणा मिलेगी। आज पारिवारिक निर्णय लेने के लिए समय अनुकूल है आज जो भी काम आप शुरू करेंगे उसमें सफलता अवश्य मिलेगी। आज आपके रहन-सहन और बातचीत करने का तरीका लोगों को आकर्षित करेगा।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। आज आपके ऊपर जिम्मेदारियां अधिक रहेंगी, जिन्हें आप काफी हद तक पूरा भी कर लेंगे। आज कुछ नए लोगों से जुड़ने पर आपको कई बेहतरीन जानकारियां मिलेंगी, जो भविष्य में आपके लिए काफी कारगर साबित होंगी।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों की नई सौगात लेकर आएगा। आज कारोबारियों को अपना कारोबार आगे बढ़ाने के लिए नए अवसर मिलेंगे। अपने काम की क्वालिटी को और अधिक बेहतर करने के लिए प्रयास करेंगे। प्रतियोगी परीक्षा में प्रयासरत छात्रों को बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके जीवन में नए अवसर लेकर आने वाला है। आपकी हर समस्या का हल चुटकियों में निकल जायेगा। राजकीय कार्यों में आपको बड़े लाभ मिलने के आसार है आज अपने काम की क्वालिटी को और बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपका मन प्रसन्न रहेगा आज आपको शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। आज लेखन व सामाजिक आदि कार्यों से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज किसी अनुभवी व्यक्ति या गुरु का मार्गदर्शन आपके मनोबल और आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और आप अपने काम को सफलतापूर्वक पूरा करने में सफल रहेंगे।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए आज का दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। आज कार्य स्थल पर चल रही किसी भी गतिविधि को नजर अंदाज ना करें।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज के दिन आप काफी व्यस्त रहने वाले है। रुका हुआ सरकारी काम आज पूरा हो जाएगा। आध्यात्मिक गतिविधियों के प्रति रुझान बढ़ेगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढ़ाई में अधिक मेहनत करने की जरूरत है।

डिजिटल प्राइवेसी की नई परत, लेकिन भीतर छिपे बड़े खतरे

[मेटा का जाल, सरकार का शिकंजा - यूजरनेम की आग में जल रहा भरोसा]
[डिजिटल पहचान का सबसे बड़ा बदलावः सुविधा या राष्ट्रीय सुरक्षा का संकट?]

प्रो. आरके जैन अरिजीत

मोबाइल नंबर अब तक डिजिटल पहचान का सबसे भरोसेमंद आधार रहा है, लेकिन अब उसकी जगह यूजरनेम लेने की तैयारी है। बदलाव जितना आधुनिक दिखता है, जोखिम भी उतने ही बड़े हैं। व्हाट्सऐप यूजरनेम सुविधा ला रहा है, जिससे उपयोगकर्ता अपना मोबाइल नंबर छिपाकर यूजरनेम के माध्यम से नए संपर्कों से बातचीत कर सकेंगे। दावा है कि इससे निजता मजबूत होगी, लेकिन भारत सरकार ने इसके संभावित खतरों को समय रहते भांप लिया। मेटा को नोटिस भेजकर इस फीचर के भारत में रोलआउट पर अस्थायी रोक लगाना महज तकनीकी कदम नहीं, बल्कि भारत के 50 करोड़ से अधिक व्हाट्सएप यूजर्स की डिजिटल सुरक्षा का सवाल है। जिस देश में रोज हजारों साइबर ठगी होती हों, वहां पहचान को नंबर से हटाकर केवल यूजरनेम के भरोसे छोड़ना क्या अपराधियों को नया हथियार नहीं देगा? आखिर डिजिटल दुनिया में प्राथमिकता सुविधा को मिले या सुरक्षा को ?पहली नजर में मेटा का यह प्रस्ताव बेहद आकर्षक लगता है। इसके तहत हर उपयोगकर्ता 3 से 35 कैरेक्टर्स (अक्षर, संख्या, पीरियड और अंडरस्कोर) वाला यूनिक यूज़रनेम चुन सकेगा। इसके बाद बातचीत के लिए मोबाइल नंबर साझा करने की जरूरत नहीं होगी। नंबर केवल अकाउंट वेरिफिकेशन तक सीमित रहेगा, जबकि चैट में उसकी जगह यूजरनेम दिखाई देगा। कंपनी का दावा है कि "यूजरनेम की" जैसी अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था अनचाहे संदेशों और संदिग्ध संपर्कों पर प्रभावी नियंत्रण रखेगी। कागज पर यह व्यवस्था निजता को मजबूत करती दिखाई देती है, लेकिन तकनीक का इतिहास बताता है कि हर नई सुविधा अपने साथ नए जोखिम भी लाती है। इसलिए असली सवाल यह नहीं कि यह फीचर कितना आकर्षक है, बल्कि यह है कि इसकी सुरक्षा कितनी अभेद्य और भरोसेमंद है।भारत की चिंता वाजिब है। यहां साइबर अपराध पहले ही महामारी बन चुके हैं। डिजिटल अरेस्ट, फर्जी बैंक अलर्ट, निवेश घोटाले, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया इमपर्सनेशन और भावनात्मक ठगी लाखों लोगों को शिकार बना चुके हैं। ऐसे में यदि कोई ठग किसी अधिकारी, पत्रकार, उद्योगपति, लोकप्रिय हस्ती या आम नागरिक के नाम जैसा यूजरनेम पहले ही ले ले (यूजरनेम स्क्वाटिंग), तो छद्मवेश (इमपर्सनेशन) और पहचान की चोरी आसान हो जाएगी। इसके जरिए फर्जी प्रोफाइल बनाकर पैसे ऐंठना, संवेदनशील जानकारी हासिल करना, अफवाह फैलाना और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ना आसान होगा। तब यह केवल व्यक्ति का नहीं, बल्कि जनविश्वास, कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा का संकट बन जाएगा। इसलिए सरकार की आशंका कल्पना नहीं, डिजिटल हकीकत है।इन्हीं आशंकाओं के बीच केंद्र सरकार ने मेटा से तीन दिनों में विस्तृत जवाब मांगा है। कंपनी को फीचर का डिजाइन, प्राइवेसी प्रोटोकॉल, सुरक्षा तंत्र, पहचान सत्यापन और दुरुपयोग रोकने के उपाय स्पष्ट करने होंगे। साथ ही समीक्षा पूरी होने तक भारत में इसका रोलआउट रोकने को कहा गया है। यह फैसला तकनीकी प्रगति का विरोध नहीं, बल्कि जिम्मेदार डिजिटल शासन का संकेत है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, साइबर सुरक्षा नीतियों और डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून के तहत विदेशी डिजिटल प्लेटफॉर्मों का भारतीय कानूनों और सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य है। डिजिटल भारत में किसी वैश्विक कंपनी की सुविधा से अधिक महत्वपूर्ण नागरिकों की सुरक्षा है।फिर भी इस प्रस्ताव के सकारात्मक पक्षों को नकारा नहीं जा सकता। आज सेवाओं, व्यापार, फ्रीलांसिंग, ऑनलाइन शिक्षा, कंटेंट क्रिएशन और व्यावसायिक संपर्क के लिए मोबाइल नंबर साझा करना लगभग अनिवार्य हो गया है। इसका नतीजा अनचाहे कॉल, स्पैम संदेश, डेटा लीक और निजी जानकारी के दुरुपयोग के रूप में सामने आता है। यदि नए संपर्कों से केवल यूजरनेम से संवाद हो, तो मोबाइल नंबर काफी हद तक छिपा रह सकता है। इसलिए अनेक उपयोगकर्ता इस सुविधा का स्वागत कर रहे हैं, क्योंकि इससे गोपनीयता मजबूत होगी और डिजिटल ट्रैकिंग घटेगी। लेकिन अच्छी मंशा सुरक्षा की गारंटी नहीं होती; मजबूत सुरक्षा के बिना सबसे उपयोगी तकनीक भी सबसे खतरनाक दरवाजा बन सकती है।साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की सबसे बड़ी चिंता यही है। उनके अनुसार यह फीचर यूजरनेम स्क्वाटिंग, फर्जी खातों और सोशल इंजीनियरिंग हमलों को बढ़ावा दे सकता है। भारत जैसे देश में, जहां भाषाई विविधता, अलग-अलग लिपियां, समान नामों की भरमार और ग्रामीण-शहरी डिजिटल अंतर है, वहां पहचान का सत्यापन अधिक जटिल है। यदि मेटा ने भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप पर्याप्त स्थानीय परीक्षण नहीं किए, तो जोखिम कई गुना बढ़ सकते हैं। केवल एल्गोरिद्म पर्याप्त नहीं; स्थानीय भाषाओं की समझ, प्रभावी शिकायत निवारण, त्वरित सत्यापन और संदिग्ध खातों पर फौरन कार्रवाई भी अनिवार्य होगी।

K K

राष्ट्रीय समाचार

शुक्रवार 03 जुलाई 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

पीएम मोदी से मिलीं जापानी समकक्ष साने ताकाइची, राष्ट्रपति भवन में किया गया औपचारिक स्वागत

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची का गुरुवार को राष्ट्रपति भवन के परिसर में औपचारिक तौर पर स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जापानी समकक्ष के आने पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

इसके बाद, दोनों नेता 16वीं भारत-जापान वार्षिक समिट-स्तरीय बातचीत के दौरान दोनों पक्षों के आपसी सहयोग के पूरे दायरे की समीक्षा करेंगे और उसे मजबूत करेंगे। इसके साथ ही, दोनों आपसी फायदे के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

भारत के विदेश मंत्रालय ने जापानी पीएम का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची का बहुत गर्मजोशी से स्वागत है, जो आधिकारिक दौरे पर नई दिल्ली आई हुई हैं। पीएम ताकाइची का स्वागत एमओएस डॉ. जितेंद्र सिंह ने किया। यह दौरा भारत और जापान के बीच रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को आगे बढ़ाने में एक जरूरी कदम है।इससे पहले दिन में, भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची ने कहा कि ताकाइची का दौरा दोनों पक्षों के लिए लोगों के बीच बातचीत को आगे बढ़ाने का एक बड़ा मौका होगा। ओनो केइची ने यह बात विदेश मंत्रालय की तरफ से होस्ट किए गए मानव संसाधन गतिशीलता फोरम के जापान सत्र के दौरान कही।

जापानी राजदूत ने एक्स पर पोस्ट किया, भारत के विदेश मंत्रालय की

तरफ से आयोजित किए गए मानव संसाधन गतिशीलता फोरम के जापान सत्र में बोलकर खुशी हुई। पीएम ताकाइची का दौरा लोगों के बीच बातचीत को आगे बढ़ाने का एक शानदार मौका होगा, जो हमारे गहरे और रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने की नींव है।विदेश मंत्रालय के मुताबिक, मानव संसाधन गतिशीलता फोरम के दौरान भारत और जापान के बीच सहयोग के उभरते रास्तों पर रोशनी डाली गई। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर लिखा, स्किल बेस्ड मोबिलिटी में भारत-जापान सहयोग को बढ़ावा देना। मानव संसाधन गतिशीलता फोरम में मोबिलिटी में भारत और जापान के सहयोग के लिए उभरते रास्तों पर जोर दिया गया।

भारत के लिए रवाना होने से पहले, साने ताकाइची ने मौजूदा अंतरराष्ट्रीय हालात में भारत के साथ जापान के सहयोग की अहमियत पर जोर दिया।

पीएम ताकाइची ने बुधवार को टोक्यो में मीडिया से कहा, इस दौरे के जरिए, मुझे उम्मीद है कि मैं प्रधानमंत्री मोदी के साथ तीन खास क्षेत्रों में ठोस सहयोग को आगे बढ़ा पाऊंगी: मौजूदा अंतरराष्ट्रीय हालात को देखते हुए जापान-भारत रणनीतिक साझेदारी को गहरा करना; आर्थिक सुरक्षा में सहयोग को बढ़ावा देना और निवेश और इनोवेशन में हमारे दोनों देशों के बिजनेस के बीच सहयोग को मजबूत करना।

उन्होंने कहा, इस दौरे के मौके पर, जापान-भारत संयुक्त आर्थिक फोरम होगा जिसमें 150 से ज्यादा जापानी कंपनियों और व्यवसायिक संगठनों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

प्राइवेट सेक्टर के साथ मिलकर काम करते हुए, मुझे उम्मीद है कि जापान-भारत सहयोग का दायरा बढ़ेगा और एक मजबूत अर्थव्यवस्था बनेगी।

पीएम ताकाइची ने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने की जिम्मेदारी भारत और जापान की है। उन्होंने कहा कि वह फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक (एफओआईपी) को साकार करने की कोशिशों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत करने के लिए उत्सुक हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी : अविनाश के घर से मिले 'रामराज्य कोष' लिखे बक्से पर काशी के भास्कर का दावा, SIT की जांच तेज

अयोध्या (आरएनएस)। राम मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण में जांच जैसे जैसे आगे बढ़ रही है। वैसे-वैसे नए नए खुलासे सामने आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि आरोपित अविनाश के कौशलपुरी स्थित योग केंद्र से पुलिस ने 'रामराज्य कोष' लिखा एक बक्सा बरामद किया है, जिस पर पेटीएम क्यूआर कोड लगा है।

इस बरामदगी के बाद वाराणसी के चितईपुर निवासी भास्कर सिंह ने दावा किया है कि यह संस्था उनकी है और बक्सा उन्होंने ही वहां रखा था। उन्होंने बताया कि इसका खाता अयोध्या के यूको बैंक में है। खाता सक्रिय है लेकिन उस पर लगा क्यूआर कोड पुराना व निष्क्रिय है। पुलिस इस बिंदु पर भी जांच कर रही है।

उधर, फैजाबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्र के नेतृत्व में अधिवक्ता गुरुवार को दोपहर 12 बजे रामजन्मभूमि थाने में तहरीर देने का निर्णय लिया। अधिवक्ता इस मामले में अब तक जांच से दूर रखे गए ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय, सदस्य डा. अनिल मिश्र व व्यवस्थापक गोपाल राव के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की मांग करेंगे।

हैदराबाद के होटलों में मटन बताकर बीफ करते थे सप्लाई, पुलिस ने दो लोगों को दबोचा

हैदराबाद (आरएनएस)। हैदराबाद की क्राइम टीम, सेंट्रल क्राइम स्टेशन (CCS) और फूड एडल्ट्रेशन सर्विलांस टीम (H-FAST) ने मंगलवार को कई होटलों में मटन बताकर बीफ सप्लाई करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों की पहचान मल्लेपल्ली में उस्मान मीट शॉप के मालिक मोहम्मद उस्मान और अयान बीफ शॉप के कर्मचारी मोहम्मद जहांगीर पाशा के तौर पर हुई है। हैदराबाद पुलिस के मुताबिक, ये दोनों होटलों में मटन बताकर बीफ सप्लाई कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि इस ऑपरेशन के दौरान 50 किलो मीट जब्त किया गया, जिसमें बीफ मिला हुआ था। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को हबीब नगर पुलिस स्टेशन के हवाले कर दिया गया है। मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच चल रही है।

प्रदेश में विदेशी एजेंसियां कर रहीं एआई से निगरानी, गृह मंत्रालय ने किया अलर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हिमाचल प्रदेश के सरकारी विभागों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के अन्य उपकरणों के सावधानीपूर्वक उपयोग के लिए अलर्ट किया है। विदेशी एजेंसियां राज्य में इन तकनीकों का उपयोग कर निगरानी कर रही हैं। इनमें से कुछ एजेंसियां हिमाचल प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों के शैक्षणिक संस्थानों में चल रहे अनुसंधान कार्यों पर भी नजर रखे हुए हैं। मंत्रालय ने सरकारी विभागों को एआई के इस्तेमाल में विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। यह कदम विदेशी ताकतों की ओर से संवेदनशील जानकारी तक पहुंच बनाने के संभावित खतरे को देखते हुए उठाया गया है।

अलर्ट का उद्देश्य राज्य के महत्वपूर्ण डेटा और प्रणालियों को सुरक्षित रखना है। बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय की एक एजेंसी ने इस संबंध में एक कार्यशाला करवाई। सूत्रों के अनुसार इस कार्यशाला में राज्य सरकार के शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। विभिन्न अन्य महकमों के प्रतिनिधि अधिकारी भी इसमें उपस्थित रहे। कार्यशाला में साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने एआई के सुरक्षित उपयोग के लिए दिशानिर्देश भी प्रस्तुत किए। विदेशी एजेंसियां हिमाचल प्रदेश में एआई और आईटी के विभिन्न उपकरणों का उपयोग कर रही हैं। इनकी नजर राज्य के महत्वपूर्ण डाटा और गतिविधियों पर है। यह निगरानी राज्य की सुरक्षा और गोपनीयता के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

चढ़ावे के मामले में श्री दंडायुधापाणी स्वामी मंदिर ने तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड, कैश, सोना-चांदी और विदेशी मुद्रा के रूप में खूब मिला दान

तमिलनाडु,(आरएनएस)। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की खबरों के बीच तमिलनाडु के पलानी स्थित श्री दंडायुधापाणी स्वामी मंदिर ने अपने इतिहास में सबसे ज्यादा सालाना चढ़ावा कलेक्शन का रिकॉर्ड बनाया है। नए कलेक्शन के साथ मंदिर की कुल आय 61 करोड़ 21 लाख 95 हजार 3 सौ 87 रुपये हो गई है, जिसने पिछले 58 करोड़ 28 लाख 51 हजार 5 सौ 25 रुपये के सालाना रिकॉर्ड को पार कर लिया है।

बता दें कि श्री दंडायुधापाणी स्वामी मंदिर की यह आय भक्तों की तरफ से दान की गई राशि का हिस्सा है। इस गिनती की प्रक्रिया मंदिर के अधिकारियों, बैंक कर्मचारियों और स्वयंसेवकों, कॉलेज के छात्रों और स्टूडेंट्स की मौजूदगी में पूरी की गई थी। श्री दंडायुधापाणी स्वामी मंदिर भगवान कार्तिकेय को समर्पित सबसे प्रसिद्ध और धनी हिंदू मंदिरों में से एक है।

तमिलनाडु में कम बारिश ने बढ़ाई किसानों की चिंता, वडामाल्ली की फसल पर संकट

कोयंबटूर ,(आरएनएस)। लंबे समय से बारिश न होने के कारण तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले के वडमल्ली किसान अपनी फसल बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। थोंडामुथुर ब्लॉक में फूलों वाले पौधों के बड़े-बड़े हिस्से सूखने लगे हैं। इस इलाके के किसानों का कहना है कि गर्मियों में अच्छी बारिश न होने और उसके बाद दक्षिण-पश्चिम मानसून की कम बारिश की वजह से पानी की भारी कमी हो गई है। इससे ओणम के मुनाफे वाले बाजार के लिए लगाई गई फसलों पर बुरा असर पड़ा है।

वडिवेलमपालयम, मुगासिमंगलम, मोलापालयम और कलिमंगलम गांवों में 500 एकड़ से अधिक जमीन पर वडमल्ली (गोम्फ्रेना ग्लोबोसा, जिसे आम तौर पर ग्लोब अमरैंथ कहा जाता है) की खेती की गई है। इस फसल को तैयार होने में लगभग 150 दिन लगते हैं और करीब 120 दिनों के बाद इसमें फूल आने लगते हैं। ओणम के मौसम में केरल में त्योहार की मांग को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर इसकी खेती की जाती है। हालांकि, कई कमर्शियल फसलों की तुलना में इसे कम सिंचाई की जरूरत होती है, लेकिन किसानों का कहना है कि नमी की मौजूदा कमी ने पौधों को खत्म होने की कगार पर पहुंचा दिया है।वडिवेलमपालयम के किसान आर. कार्तिकेयन ने बताया कि शुरुआत में फसल अच्छी तरह बढ़ रही थी, लेकिन लगातार सूखे मौसम के कारण वह सूखने लगी। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद थी कि अब तक मानसून की कुछ बारिश हो जाएगी, लेकिन खेत एक सप्ताह से सूखे पड़े हैं। पौधे हर दिन कमजोर हो रहे हैं और अगर तुरंत बारिश नहीं हुई, तो उनमें से कई शायद बच न पाएं।

उपमुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा के मुख्य आतिथ्य में (वीबी-जी राम जी) योजना का राज्य स्तरीय शुभारंभ कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत गंडईखुर्द में हुआ।

बम-बम भोले' के जयकारों के बीच अमरनाथ यात्रा शुरू : पहला जत्था रवाना, 28 अगस्त तक होंगे बाबा बर्फानी के दर्शन

श्रीनगर (आरएनएस)। पवित्र अमरनाथ यात्रा 2026 का शुभारंभ गुरुवार को 'बम-बम भोले' के गगनभेदी जयकारों के बीच हो गया। जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से सुबह 4 बजे श्रद्धालुओं का पहला जत्था बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हुआ। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रद्धालुओं को हरी झंडी दिखाकर यात्रा के लिए रवाना किया।

57 दिनों तक चलने वाली यह यात्रा 3 जुलाई से पहलगाम और बालटाल, दोनों मार्गों से संचालित होगी और 28 अगस्त (रक्षाबंधन) को संपन्न होगी।पहले जत्थे में केवल उन्हीं श्रद्धालुओं को शामिल किया गया, जिन्होंने पहले से पंजीकरण कराया था, RFID कार्ड प्राप्त किया था और ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी की थी।

इस वर्ष अमरनाथ यात्रा के लिए अब तक करीब चार लाख श्रद्धालु पंजीकरण करा चुके हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा, चिकित्सा, परिवहन, आवास, संचार और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं पहले ही पूरी कर ली हैं, ताकि यात्रा सुरक्षित और सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

यात्रा शुरू होने से एक दिन पहले उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को बेस कैंप का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाओं, ठहरने की व्यवस्था, बिजली-पानी की उपलब्धता, हेल्प डेस्क और अन्य इंतजामों का विस्तृत जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उधर, देश की अन्य प्रमुख धार्मिक यात्राओं में भी श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बना हुआ है। चारधाम यात्रा में 1 जुलाई तक बद्रीनाथ धाम में 14.5 लाख और केदारनाथ धाम में 13.75 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं।

शिंदे के विरोध पर उद्धव का फोन, शिवसैनिकों से बोले- डटे रहो, मैं आपके साथ हूं

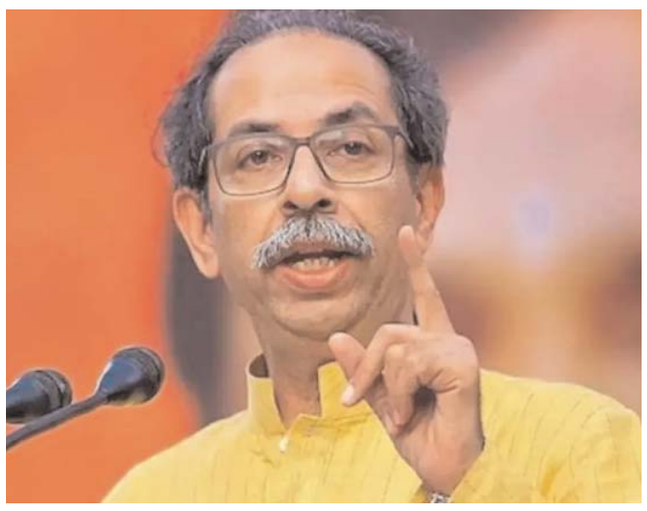

नांदेड़ (आरएनएस)। महाराष्ट्र के सियासी गलियारे में शिवसेना के दोनों गुटों (यूबीटी बनाम शिंदे गुट) के बीच जारी टकराव और तेज हो गया है। 'ऑपरेशन टाइगर' के तहत उद्धव ठाकरे गुट के 6 लोकसभा सांसदों के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने के बाद से कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा है। इसी तनाव के बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे जब नांदेड़ पहुंचे, तो उन्हें भारी विरोध का सामना करना पड़ा। उद्धव गुट के कार्यकर्ताओं ने उनके काफिले को काले झंडे दिखाए, जिसके बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। डॉ. श्रीकांत शिंदे यहां पाला बदलने वाले स्थानीय सांसद नागेश पाटिल आष्टीकर के निर्वाचन क्षेत्र के दौरे पर आए थे।काले झंडे दिखाए जाने और शिवसैनिकों की गिरफ्तारी की भनक लगते ही शिवसेना (UBT) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने तुरंत मोर्चा संभाला। उन्होंने नांदेड़ के ग्रामीण जिला प्रमुख ज्योतिबा खराटे को सीधे फोन मिलाया और पुलिस हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं का हालचाल जाना। ठाकरे ने प्रदर्शनकारियों के साहस की सराहना करते हुए कहा कि जब तक उनके पास ऐसे वफादार शिवसैनिक हैं, तब तक पार्टी को कोई डिगा नहीं सकता। उन्होंने कार्यकर्ताओं को हरसंभव मदद का भरोसा दिया और जल्द ही किनवट का दौरा करने का संकेत भी दिया। इस फोन कॉल के बाद उद्धव गुट के कार्यकर्ताओं में नया जोश देखा जा रहा है

पिथौरागढ़ में मूसलाधार बारिश से तवाघाट मार्ग बंद, चीन सीमा से संपर्क टूटा, पंचाचूली के पर्यटक फंसे

पिथौरागढ़ ,(आरएनएस)। उत्तराखंड के सीमांत जिले पिथौरागढ़ में लगातार बारिश जारी है। जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मलबा आने से तवाघाट सोबला दर मार्ग बंद हो गया है। जिस कारण दारमा घाटी में चीन सीमा का संपर्क भंग हो गया।

तवाघाट सोबला तिदाग मार्ग बंद होने से तल्ला दारमा से मल्ला दार्म के डेढ़ दर्जन गावों का संपर्क कट गया है। पंचाचूली गलेशियर बेस कैंप गए पर्यटक भी फंस गए हैं। बीआरओ मार्ग खोलने में जुटा है।

बारिश में थल-सातशिलिंग मार्ग बेहाल

वहीं लगातार हो रही बारिश के चलते थल-सातशिलिंग मोटर मार्ग पर निर्माण कार्यों में बरती जा रही लापरवाही लोगों के लिए मुसीबत का कारण बनती जा रही है।

कमरे से युवक-युवती के शव मिले, दरवाजा तोड़कर पहुंची पुलिस, प्रेम प्रसंग के एंगल पर जांच

सहारनपुर (आरएनएस)। सहारनपुर के कोतवाली सदर बाजार क्षेत्र स्थित एसबीआई कॉलोनी में बुधवार देर रात एक बंद कमरे से लैब टेक्नीशियन और एक युवती के शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने दरवाजा तोड़कर कमरे में प्रवेश किया और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत हो रहा है, हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम और फोरेंसिक जांच के बाद ही होगी। पुलिस के अनुसार, सूचना मिली थी कि एसबीआई कॉलोनी स्थित एक मकान का कमरा अंदर से बंद है और काफी देर तक आवाज देने के बावजूद कोई दरवाजा नहीं खोल रहा। मौके पर पहुंची सदर बाजार पुलिस ने खिड़की से अंदर देखा तो संदिग्ध स्थिति दिखाई दी। इसके बाद स्थानीय लोगों की मौजूदगी में दरवाजा तोड़ा गया। कमरे के अंदर एक युवक और एक युवती मृत अवस्था में मिले। सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनंदन सिंह और पुलिस अधीक्षक नगर व्योम बिंदल भी घटनास्थल पर पहुंचे।

प्रदूषण नियंत्रण के लिए स्थायी व्यवस्था लागू, सीएम रेखा गुप्ता बोलीं- बिना पीयूसी नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली (आरएनएस)। सर्दियों में बढ़ने वाले वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने कई अहम कदम उठाए हैं। सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिनके तहत 1 नवंबर से सरकारी और निजी दफ्तरों में कर्मचारियों की उपस्थिति को सीमित किया जाएगा। नए नियमों के अनुसार, दफ्तरों में एक समय पर केवल 50 % कर्मचारी ही काम करेंगे, जबकि बाकी कर्मचारी घर से काम यानी वर्क फ्रॉम होम करेंगे। यह व्यवस्था प्रदूषण के स्तर को कम करने और सड़कों पर वाहनों की संख्या घटाने के उद्देश्य से लागू की जाएगी।

इसके साथ ही दिल्ली में वाहनों की पार्किंग दरों को दोगुना करने का फैसला लिया गया है। सरकार का मानना है कि पार्किंग शुल्क बढ़ने से लोग निजी वाहनों का कम इस्तेमाल करेंगे और सार्वजनिक परिवहन की ओर बढ़ेंगे। सरकार ने सर्दियों के दौरान लागू होने वाले ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (GRAP) की पाबंदियों को अब पूरे सीजन के लिए लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत GRAP के अलग-अलग चरणों में लगने वाले प्रतिबंध हर साल 1 नवंबर से 28 फरवरी तक स्वत प्रभावी रहेंगे।

दिल्ली में सर्दियों के दौरान बढ़ने वाले वायु प्रदूषण से निपटने के लिए लागू किए गए नए दिशा-निर्देशों को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि इन नियमों में पुराने सभी आदेशों को एकीकृत कर एक स्पष्ट, सरल और सख्त व्यवस्था तैयार की गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि नई व्यवस्था से सरकारी विभागों, संस्थानों और आम लोगों के लिए नियमों का पालन करना आसान होगा। उन्होंने कहा कि अधिसूचना तैयार करते समय पिछले वर्षों के प्रदूषण स्तर, अनुभवों और वायु गुणवत्ता से जुड़े आंकड़ों का विस्तृत अध्ययन किया गया है। उन्होंने कहा कि नए दिशा-निर्देशों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) की ओर से जारी संशोधित ग्रैप और सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के निर्देशों को भी शामिल किया गया है।

व्हाट्सऐप के यूज़रनेम फ़ीचर पर सरकार सख्तः मेटा को नोटिस जारी कर 3 दिन में मांगा जवाब, परामर्श तक भारत में रोक लगाने के निर्देश

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। भारत सरकार ने व्हाट्सऐप पर बहुप्रतीक्षित 'यूज़रनेम' फ़ीचर को शुरू करने की योजना को लेकर इसकी पैरेंट कंपनी मेटा (Meta) को एक कड़ा नोटिस जारी किया है। सरकार ने कंपनी से इस नए फ़ीचर को लेकर तीन दिनों के भीतर विस्तार से स्पष्टीकरण देने को कहा है। इसके साथ ही, सरकार ने मेटा को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जब तक इस पूरे मामले पर आधिकारिक परामर्श (Consultation) प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक भारत में 'यूज़रनेम' फ़ीचर को लागू न किया जाए। क्या है व्हाट्सऐप का 'यूज़रनेम' फ़ीचर?

इसी सप्ताह की शुरुआत में व्हाट्सऐप ने घोषणा की थी कि वह सिलसिलेवार (Phased) तरीके से एक नया फ़ीचर रोलआउट करने जा रही है। इस फ़ीचर के तहतचैकल्पिक और विशिष्ट पहचानः यूजर्स अपने व्हाट्सऐप अकाउंट के लिए अपनी पसंद का एक यूनिक 'यूज़रनेम' चुन सकेंगे। नंबर छिपाने की सुविधा: जब कोई यूजर पहली बार किसी नए व्यक्ति से संपर्क करेगा, तो वह अपना मोबाइल नंबर छिपा सकेगा। प्राइवेसी सुरक्षा: दूसरे लोग यूजर के मोबाइल नंबर के बजाय केवल उसके यूज़रनेम के जरिए ही उसे मैसेज या कॉल कर पाएंगे, जिससे यूजर का पर्सनल मोबाइल नंबर पूरी तरह प्राइवेट रहेगा।फिलहाल, इस फ़ीचर को लेकर सरकार की चिंताएं और परामर्श प्रक्रिया पूरी होने तक भारतीय यूजर्स को इस अपडेट के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है।

अमेरिकी नौसेना का हेलीकॉप्टर अरब सागर में दुर्घटनाग्रस्त, लापता एक पायलट की तलाश जारी

मनामा(ए.)। अमेरिकी नौसेना का एक एमएच-60एस सी हॉक हेलीकॉप्टर बुधवार को अरब सागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हेलीकॉप्टर में सवार एक पायलट लापता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, यूएसएस जॉर्ज एचडब्ल्यू बुश विमानवाहक पोत पर तैनात सी हॉक हेलीकॉप्टर ने सुबह लगभग 3:30 बजे आपातकालीन जल लैंडिंग की थी, जिसके बाद से पायलट लापता है। हेलीकॉप्टर में सवार 3 चालक दल के सदस्य सुरक्षित पाए गए हैं और उनकी हालत स्थिर है, जबकि एक की जानकारी नहीं है।

अमेरिकी 5वें बेड़े ने बताया कि इस बात का कोई संकेत नहीं है कि यह आपात स्थिति शत्रुतापूर्ण कार्रवाई के कारण उत्पन्न हुई थी। फिलहाल, घटना के कारणों की जांच चल रही है। अमेरिका नौसेना वायु प्रणाली कमांड के अनुसार, एमएच-60एस सी हॉक सतह-रोधी युद्ध, युद्ध सहायता, मानवीय आपदा राहत और युद्धकालीन खोज एवं बचाव कार्य में शामिल है। यह घटना ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य के पास एक अमेरिकी अपाचे हेलीकॉप्टर को गिराए जाने के कुछ हफ्तों बाद घटी है।

यूएसएस जॉर्ज एचडब्ल्यू बुश उन 2 विमानवाहक पोतों में से एक है जो ईरान युद्ध के मद्देनजर अरब सागर क्षेत्र में परिचालन करना जारी रखे हुए है। यहां अमेरिकी सेनाएं मौजूद हैं। बता दें, अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध 28 फरवरी को शुरू हुआ, जब अमेरिका और इज़राइल ने मध्य पूर्वी देश में संयुक्त बमबारी अभियान चलाया था। फरवरी से अभी तक अमेरिका ने युद्ध में अपने 63 से अधिक ड्रोन, हेलीकॉप्टर, लड़ाकू विमान और 13 सैनिक खोए हैं।

बंगाल की खाड़ी पर चीन की नजर? म्यांमार होते हुए बांग्लादेश तक आर्थिक कॉरिडोर बनाएगा

बीजिंग(ए.) । दक्षिण एशिया में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने की कई योजनाओं के बाद चीन की निगाहें अब पूर्वी भारत पर है। चीन अब म्यांमार के रास्ते बांग्लादेश से जोड़ने वाले एक आर्थिक गलियारे की योजना बना रहा है। इस परियोजना से उसे अरब सागर के बाद अब बंगाल की खाड़ी तक पहुंच मिल जाएगी। कथित तौर पर बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की चीन यात्रा के दौरान ये प्रस्ताव रखा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्तावित कॉरिडोर चीन के युन्नान प्रांत के कुनमिंग से शुरू होगा और म्यांमार के मांडले से होकर गुजरेगा। आगे चलकर ये यांगून और क्यौकफ्यू की ओर मुड़ते हुए अंततः सड़क और रेल मार्गों के माध्यम से बांग्लादेश के चटोग्राम और कॉक्स बाजार से जुड़ेगा। यह प्रस्ताव म्यांमार के माध्यम से चीन के युन्नान प्रांत को बांग्लादेश से जोड़ने के विचार को पुनर्जीवित करता है, लेकिन इसमें भारत शामिल नहीं है। यह कॉरिडोर बंगाल की खाड़ी और उसके आसपास चीन द्वारा अपने रणनीतिक प्रभाव को बढ़ाने के प्रयासों को दर्शाता है। यह बंदरगाहों, औद्योगिक क्षेत्रों और परिवहन बुनियादी ढांचे के माध्यम से बंगाल की खाड़ी के आसपास चीन की उपस्थिति बढ़ाएगा और चीन को व्यापक हिंद महासागर क्षेत्र तक पहुंच भी प्रदान करेगा। चीन पहले ही सीपीईसी में भारी निवेश कर चुका है और पाकिस्तान के रास्ते अरब सागर तक पहुंच प्राप्त कर चुका है।

अमेरिका और ईरान की दोहा में बातचीत सफल, रुकी धनराशि जारी करने और हॉटलाइन पर सहमति

दोहा, (ए.)। कतर की राजधानी दोहा में अमेरिका और ईरान के बीच हुई बातचीत में सफलता प्रगति देखने को मिली है। दोनों देशों ने ईरान की रुकी हुई 3 अरब डॉलर (करीब 28,540 करोड़ रुपये) की धनराशि जारी करने और 14 सूत्रीय हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के उल्लंघन की रिपोर्ट करने के लिए एक हॉटलाइन स्थापित करने पर सहमति जताई है। इस बातचीत में कतर और पाकिस्तान भी मध्यस्थ के रूप में शामिल रहा।

यह बातचीत 60-दिवसीय समझौता ज्ञापन को लागू करने के उद्देश्य से चल रही गहन तकनीकी वार्ता का हिस्सा है। इस दौरान, दोनों पक्षों ने अलग-अलग बैठक की थी। ईरान से उपविदेश मंत्री काज़ेम ग़रीबाबादी, केंद्रीय बैंक और कृषि मंत्रालय के अधिकारी और अमेरिका से जेरेड कुशनर और व्हाइट हाउस के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ सहित कई उच्च पदस्थ अधिकारी आए थे। ईरानी टीम ने पाकिस्तानी मध्यस्थों से सीधे मुलाकात की और अमेरिकी टीम ने कतरी मध्यस्थों से अलग से बातचीत

की। अमेरिका ने ईरान के प्रतिबंधित तेल राजस्व के 6 अरब डॉलर का आंशिक हिस्सा 3 अरब डॉलर जारी किया है। ये धनराशि, मूलरूप से अमेरिकी प्रतिबंधों के तहत दक्षिण कोरियाई बैंकों में जमा थी। इसे 2023 में कतर केंद्रीय बैंक भेजा गया, लेकिन क्षेत्रीय संघर्ष के कारण फिर जमा कर दिया गया। ग़रीबाबादी ने बताया कि बाकी धीरे-धीरे धनराशि जारी होगी, जो सख्त मानवीय सुरक्षा उपायों के अधीन रहेगी। धनराशि को भोजन, दवा और वैश्विक व्यापार वस्तुओं पर खर्च करेंगे।

दोनों पक्षों ने वित्तीय पहलू के अलावा नाजुक अंतरिम युद्धविराम के प्रबंधन के लिए एक समर्पित संचार चैनल स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की है। इसका उद्देश्य समझौता ज्ञापन के उल्लंघनों को तुरंत दर्ज करना और उनका समाधान करना है, जिससे स्थानीय झड़पों को राजनयिक प्रगति में बाधा डालने से रोका जा सके। अमेरिका का मुख्य एजेंडा होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करना है, जहां ईरान ने हाल में नियामक पारगमन शुल्क और मार्ग प्रतिबंध लागू करने का प्रयास किया है।

कनाडा में मौसम की दोहरी मारः कहीं गर्मी तो कहीं बाढ़ से लोग तबाह

टोरंटो (ए.) । कनाडा मौसम की दोहरी मार झेल रहा है। देश के बड़े हिस्से में 'हीट डोम' के कारण भीषण गर्मी पड़ रही है, जबकि कई क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश और बाढ़ ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है।स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भीषण गर्मी के चलते लाखों कनाडाई नागरिक हीट अलर्ट के दायरे में हैं। एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट चेंज कनाडा ने ओंटारियो, क्यूबेक, प्रेयरी क्षेत्र और नॉर्थवेस्ट टेरिटरीज के कई हिस्सों के लिए हीट वार्निंग जारी की है। इन इलाकों में दिन का तापमान और उमस सामान्य से काफी अधिक दर्ज की जा रही है।ओंटारियो सबसे अधिक प्रभावित प्रांतों में शामिल है, जहां लंबे समय से गर्म और उमस भरा मौसम बना हुआ है। दक्षिण-पश्चिमी ओंटारियो के कई इलाकों में दिन के समय तापमान लगातार ऊंचा बना हुआ है और रात में भी लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल रही है। वहीं, पूर्वी ओंटारियो के निवासियों को दिन के सबसे गर्म समय में घर से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी गई है।

अमेरिका में रूसी जोड़ा 1,454 फीट ऊंची एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की गगनचुंबी चोटी पर चढ़ा

न्यूयॉर्क,(ए.)। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक रूसी जोड़ा मैनहट्टन की प्रतिष्ठित गगनचुंबी एम्पायर स्टेट बिल्डिंग के शीर्ष पर चढ़ गया और वहां बैनर लहराया। पुरुष और महिला ने काले कपड़े पहने थे और अपने चेहरे को मास्क से छिपाया हुआ था। वे बिना किसी सुरक्षा के 1,454 फीट इमारत की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंचे थे। दोनों को सुरक्षित उतारने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है।

बुधवार दोपहर को जब पर्यटक बिल्डिंग के ऑब्जर्वेशन डेक का आनंद ले रहे थे। तभी जोड़ा अचानक सबसे ऊंचाई पर पहुंच गया, जिससे हड़कंप मच गया और पुलिस बुलाई गई। उससे पहले जोड़े ने करीब 30 मिनट ऊपर बिताया और काले बैनर पर सफेद अक्षरों में संदेश जब प्रेम की शक्ति सत्ता के प्रेम पर विजय प्राप्त करती है, तब दुनिया में शांति आती है फहराया। इनकी पहचान इवान कुजनेत्सोव (32) और एंजेलीना

निकोलाऊ (33) के रूप में हुई है।

कुज़नेत्सोव ने हिरासत में लिए जाने से पहले अपनी लंबे समय से प्रेमिका को शादी का प्रस्ताव दिया। पुलिस ने दोनों पर चोरी, लापरवाही से जान जोखिम में डालना, आपराधिक शरारत, आपराधिक अतिक्रमण, स्थानीय कानून का उल्लंघन, आपराधिक छेड़छाड़, अव्यवस्थित आचरण और सेंधमारी का आरोप लगाया है। दंपति इतनी ऊंचाई तक बिना किसी सुरक्षा और सहारे के कैसे पहुंचे, इसकी जांच की जा रही है। ऊपर से जोड़े ने वीडियो भी फिल्माया है।रिपोर्ट के मुताबिक, इवान और एंजेलीना ने स्काईवॉकर्स- ए लव स्टोरी नामक एक वृत्तचित्र बनाया है, जिसमें उन्हें दुनिया भर की गगनचुंबी इमारतों पर इसी तरह के करतब करते हुए दिखाया गया है। तथाकथित रूफटॉपिंग डॉक्यूमेंट्री में रूसी नागरिक इवान और एंजेलीना को दिखाया गया है, जिन्हें अक्सर बहुत कम या बिना किसी सुरक्षा उपकरण के इमारतों पर चढ़ते हुए फिल्माया जाता है।

फीचर

कच्चे अंकुरित अनाज का सेवन क्यों है सेहत के लिए फायदेमंद? जानें इसके 5 लाभ

कच्चे अंकुरित अनाज को सेहत के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। ये न केवल स्वाद में अच्छे होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं। अंकुरित अनाज में विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर को ऊर्जा देने के साथ-साथ कई बीमारियों से बचाए रखने में मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि कच्चे अंकुरित अनाज को खाने से क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

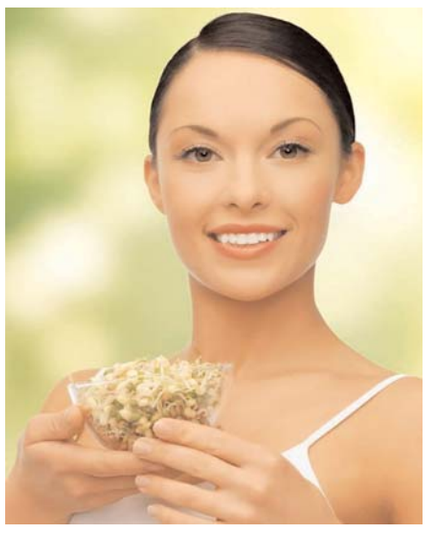

पाचन के लिए है बेहतरीन

कच्चे अंकुरित अनाज का सेवन पाचन के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। ये फाइबर से भरपूर होते हैं, जो मल त्याग को आसान बनाते हैं और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाते हैं। इसके अलावा अंकुरित अनाज में मौजूद खास तत्व पाचन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। नियमित रूप से इन्हें खाने से पेट साफ रहता है और पेट संबंधी बीमारियों का खतरा कम होता है।

वजन को नियंत्रित करने में सहायक

अगर आप वजन नियंत्रित करना चाहते हैं तो इसके लिए भी कच्चे अंकुरित अनाज का सेवन लाभकारी हो सकता है। ये पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, लेकिन कैलोरी में कम होते हैं। इसलिए इन्हें खाने से पेट भरा हुआ महसूस होता है और ज्यादा खाने की इच्छा कम होती है। इसके अलावा अंकुरित अनाज में मौजूद फाइबर चर्बी के अवशोषण को कम करता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

दिल की सेहत को बढ़ावा

दिल की बीमारियां आजकल आम हो गई हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम अपने खाने-पीने का खास ध्यान रखें। इसके लिए कच्चे अंकुरित अनाज का सेवन फायदेमंद हो सकता है। ये खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके दिल की सेहत में सुधार कर सकते हैं। इसके अलावा इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स दिल को स्वस्थ रखते हैं और रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूती

शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली यानी इम्यूनिटी को मजबूत करने में भी कच्चे अंकुरित अनाज फायदेमंद हो सकते हैं। इनमें विटामिन-सी और अन्य एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो इम्यूनिटी को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं। ये इम्यूनिटी को मजबूती देने के साथ-साथ शरीर को संक्रमण और बीमारियों से लड़ने की क्षमता भी देते हैं। इसके अलावा इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर में मौजूद हानिकारक तत्वों को दूर करने में भी मदद करते हैं।

मधुमेह के जोखिम में कमी

खून में शक्कर की मात्रा बढ़ने से मधुमेह का खतरा हो सकता है, लेकिन कच्चे अंकुरित अनाज से इस बीमारी के जोखिम कम किए जा सकते हैं। इनमें मौजूद फाइबर शरीर में इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसके अलावा इनमें मधुमेह रोधी गुण होते हैं, जो खून में शक्कर की मात्रा को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। हालांकि, मधुमेह रोगी इन्हें अपनी डाइट में शामिल करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

फिल्मों के चुनाव को लेकर चेतना पांडे का बेबाक बयान, स्क्रीन टाइम नहीं, दमदार किरदार चाहिए

अभिनेत्री चेतना पांडे को हालिया रिलीज फिल्म हॉन्टेड 3डी- इकोज ऑफ द पास्ट से दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला। इस सफलता के बीच चेतना ने करियर, फिल्मों के चुनाव और भविष्य की योजनाओं को लेकर कहा कि अब वह केवल ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो उन्हें एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ाएं और दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ें।

चेतना पांडे ने कहा, करियर के इस पड़ाव पर मैं खुद को किसी एक तरह के किरदार या फिल्म शैली तक सीमित नहीं रखना चाहती। हॉरर फिल्म में काम करने के बाद मुझे इस शैली की ताकत का एहसास हुआ है, इसलिए मैं आगे भी हॉरर फिल्मों में काम करना चाहूंगी। मैं सिर्फ इसी शैली तक सीमित नहीं रहना चाहती। एक कलाकार के रूप में मेरा सबसे बड़ा सपना खुद को और अपने दर्शकों को लगातार नए रूप में चौंकाना है।

अभिनेत्री ने कहा, मैं ऐसा किरदार निभाना चाहती हूं, जो मुझे भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से चुनौती दे और मुझे आगे बढ़ाता रहे। चाहे कोई बड़ी कमर्शियल फिल्म हो, थ्रिलर हो या फिर बायोपिक, मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने यह बात रखती है कि मेरा किरदार दर्शकों के मन में लंबे समय तक बना रहे।

चेतना ने कहा, मुझे फिल्म में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं चाहिए। मैं ऐसे रोल्स को प्राथमिकता देती हूं, जिनकी कहानी में दम हो और जो कुछ कहने की ताकत रखते हों। मैं केवल ग्लैमर दिखाने वाली भूमिकाओं की बजाय ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो लोगों को सोचने पर मजबूर करें। हर नया प्रोजेक्ट मुझे पहले किए गए काम से आगे ले जाए और कुछ नया सिखाए।

चेतना ने कहा, मैं अभी भी इस पूरे अनुभव को समझने और महसूस करने की कोशिश कर रही हूं। जब कोई कलाकार लंबे समय तक किसी फिल्म पर मेहनत करता है, कई तरह की चुनौतियों का सामना करता है और यह उम्मीद करता है कि दर्शक उसके काम को पसंद करेंगे, तब सफलता मिलने के बाद उस पल को तुरंत समझ पाना आसान नहीं होता।

हॉन्टेड 3डी फिल्म की सफलता पर खुशी जताते हुए चेतना ने कहा, पिछले कुछ दिन जश्न से ज्यादा आभार के रहे हैं। मैंने सबसे पहले परिवार, दोस्तों और उन लोगों से बात की, जिन्होंने इस सफर में हर कदम पर मेरा साथ दिया। मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यही है कि मेरे करीबी लोग मेरी सफलता से खुश हैं।

मुंबई में पानी की कमी से परेशान कनिका महेश्वरी, बोलीं-अब हर बूंद का हिसाब रखना पड़ता है

टीवी अभिनेत्री कनिका महेश्वरी ने मुंबई में बढ़ते जल संकट पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि पानी की कमी एक ऐसी समस्या है, जो लोगों की पूरी दिनचर्या बदल देती है। उन्होंने सरकार से इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने की मांग की। कनिका महेश्वरी ने कहा, पानी की कमी का असर हर छोटे-बड़े काम को प्रभावित करता है। जब सुबह उठते ही यह चिंता हो कि खाना बनाने, सफाई करने या रोजमर्रा की साफ-सफाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा या नहीं, तब समझ आता है कि पानी जैसी जरूरी चीज कितनी अनमोल है। हम अक्सर शहर के विकास और बेहतर सुविधाओं की बात करते हैं, लेकिन सम्मानजनक जीवन की सबसे पहली जरूरत नियमित और साफ पानी है। कनिका ने कहा, लगातार पानी की कमी लोगों को अपनी जीवनशैली बदलने पर मजबूर कर देती है। पहले जहां लोग आराम से शॉवर लेते थे, वहीं अब पानी बचाने के लिए बाल्टी से नहाना पड़ता है। हर लीटर पानी सोच-समझकर इस्तेमाल करना पड़ता है। आप अपनी जरूरतों से ज्यादा पानी की खपत का हिसाब लगाने लगते हैं। यह परेशानी हजारों परिवार हर दिन झेलते हैं। जब तक कोई खुद इस स्थिति से नहीं गुजरता, तब तक उसके मानसिक बोझ को समझ पाना आसान नहीं होता।उन्होंने कहा, अब समय आ गया है कि जल प्रबंधन को लंबे समय की योजना के रूप में देखा जाए। शहर लगातार बढ़ रहे हैं, इसलिए पानी की व्यवस्था भी उसी हिसाब से मजबूत होनी चाहिए। लोगों को हर बार पानी की कमी के हिसाब से अपनी जिंदगी ढालने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए। साफ और नियमित पानी की आपूर्ति कोई सुविधा नहीं, बल्कि हर परिवार का बुनियादी अधिकार है।

बेहतर स्वास्थ्य के लिए सिर्फ पौष्टिक भोजन नहीं, उसे सही तरीके से पकाना भी है जरूरी

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना हर किसी के लिए बहुत जरूरी है। लेकिन इसके साथ ही यह समझना भी जरूरी है कि अच्छा स्वास्थ्य केवल पौष्टिक भोजन खाने से ही नहीं, बल्कि उसे सही तरीके से पकाने पर भी निर्भर करता है। स्मार्ट कुकिंग की आदतें अपनाकर हम भोजन को अधिक पौष्टिक, स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक बना सकते हैं।

खाना पकाते समय छोटी-छोटी सावधानियां लंबे समय तक हमें कई बीमारियों से बचाने में मदद करती हैं। भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि खाना बनाते समय तेल की मात्रा को नियंत्रित करना बहुत आवश्यक है। अक्सर लोग बिना माप के तेल डाल देते हैं, जिससे भोजन में आवश्यकता से अधिक वसा शामिल हो जाती है। इसलिए, तेल डालने के लिए हमेशा चम्मच का उपयोग करना चाहिए। इससे तेल की सही मात्रा का उपयोग होता है और अतिरिक्त कैलोरी से बचाव होता है। कम तेल में बना भोजन हृदय के लिए बेहतर होता है तथा मोटापा, उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याओं के खतरे को भी कम करता है। दूसरी महत्वपूर्ण आदत है बार-बार तला हुआ भोजन खाने से बचना। तले हुए खाद्य पदार्थ स्वादिष्ट तो लगते हैं, लेकिन इनमें अधिक मात्रा में वसा और कैलोरी होती है। नियमित रूप से समोसा, पकौड़े, चिप्स, पूड़ी या अन्य तले हुए खाद्य पदार्थ खाने से मोटापा, मधुमेह और हृदय रोगों का जोखिम बढ़ सकता है। यदि कभी तला हुआ भोजन खाना भी हो, तो उसे सीमित मात्रा में और कभी-कभार ही खाना चाहिए। दैनिक भोजन में ताजे फल, हरी सब्जियां, दालें और साबुत अनाज को अधिक स्थान देना चाहिए।

स्वस्थ जीवन के लिए खाना पकाने के तरीकों का चुनाव भी बहुत महत्वपूर्ण है। चीजों को तेल में तलने के बजाय भाप में पकाना, भूनना, उबालना या ग्रिल करना अधिक लाभदायक होता है। भाप में पकी सब्जियों में विटामिन और खनिज अधिक मात्रा में सुरक्षित रहते हैं। ग्रिल या रोस्ट किए गए खाद्य पदार्थ कम तेल में तैयार हो जाते हैं और उनका स्वाद भी अच्छा रहता है। इसी प्रकार हल्का भूनकर या उबालकर बनाया गया भोजन पाचन के लिए भी बेहतर माना जाता है।

इसके अलावा, ताजी सामग्री का उपयोग करना, भोजन को अधिक देर तक न पकाना और आवश्यकता से अधिक नमक तथा चीनी का प्रयोग न करना भी स्मार्ट कुकिंग का हिस्सा है। घर का ताजा बना भोजन हमेशा बाहर के जंक फूड की तुलना में अधिक सुरक्षित और पौष्टिक होता है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जांजगीर-चांपा जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान सोठी स्थित भारतीय कुष्ठ निवारक संघ आश्रम पहुँचे। आश्रम आगमन पर संस्था के पदाधिकारियों एवं आश्रमवासियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया।

छत्तीसगढ़ में जून में रुठा मानसून, 66 प्रतिशत कम बारिश, रायपुर-बिलासपुर समेत कई जिलों में सूखे जैसे हालात

रायपुर, (आरएनएस)। जून में मानसून की कमजोर रफ्तार ने छत्तीसगढ़ में बारिश का बड़ा घाटा छोड़ दिया। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार एक से 30 जून तक प्रदेश में औसतन 66.5 मिमी बारिश दर्ज हुई, जबकि सामान्य वर्षा 193.5 मिमी रहती है। इस तरह पूरे प्रदेश में 66 प्रतिशत कम बारिश रिकॉर्ड की गई, जिसे 'लार्ज डेफिसिएंट' श्रेणी में रखा गया है। राजधानी में केवल 44.1 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य 165.8 मिमी की तुलना में 73 प्रतिशत कम है।

बिलासपुर, कोरिया, राजनांदगांव, बेमेतरा और कोरबा सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में शामिल रहे। मौसम विभाग ने हालांकि जुलाई के पहले सप्ताह में राहत के संकेत दिए हैं। बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने से प्रदेश में मानसून दोबारा सक्रिय होने की संभावना जताई गई है।बिलासपुर में जून के दौरान सिर्फ 22.9 मिमी बारिश हुई। जबकि सामान्य आंकड़ा 151.6 मिमी है। यहां 85 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। कोरिया में 20.5 मिमी के मुकाबले सामान्य 128.5 मिमी बारिश होती है, जिससे 84 प्रतिशत की कमी रही। राजनांदगांव में 26.7 मिमी बारिश दर्ज हुई, जबकि सामान्य 163.9 मिमी है।बेमेतरा में 27.4 मिमी के मुकाबले सामान्य 138.8 मिमी और कोरबा में 32.1 मिमी के मुकाबले 161.3 मिमी बारिश दर्ज हुई। सरगुजा में 38.6 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य 168.2 मिमी से 77 प्रतिशत कम है। मौसम विभाग के अनुसार लंबे ब्रेक मानसून और कमजोर सिस्टम से यह स्थिति बनी। 30 जून को पूरे प्रदेश में सक्रिय हुआ मानसून:- मौसम विभाग ने बताया कि 30 जून को दक्षिण-पश्चिम मानसून पूरे छत्तीसगढ़ में सक्रिय हो गया।

नकटी के ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट घेरकर किया प्रदर्शन

सरकार ने 80 घरों पर चलाया था बुलडोजर

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी रायपुर के माना क्षेत्र स्थित नकटी गांव में प्रस्तावित विधायक कॉलोनी के लिए करीब 80 मकानों पर बुलडोजर चलाए जाने के बाद ग्रामीणों का आक्रोश सड़क पर उतर आया। प्रभावित परिवारों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए गांव में ही पुनर्वास की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुईं। कई महिलाएं अपनी पीड़ा बयां करते हुए भावुक हो गईं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने बिना उचित पुनर्वास के उनके आशियाने उजाड़ दिए। उन्होंने कलेक्टर, सांसद बृजमोहन अग्रवाल और विधायक अनुज शर्मा के खिलाफ भी नारेबाजी की।

ग्रामीणों का कहना है कि उनके बड़े परिवारों में 15 से 20 सदस्य हैं, लेकिन बदले में केवल एक कमरे का फ्लैट दिया जा रहा है, जिसमें रहना संभव नहीं है। उनका कहना है कि उन्होंने वर्षों की मेहनत और जीवनभर की जमा-पूंजी से अपने घर बनाए थे, जिन्हें एक झटके में तोड़ दिया गया।

प्रदर्शनकारियों ने सवाल उठाया कि चुनाव के समय वोट मांगने वाले जनप्रतिनिधियों को तब यह याद क्यों नहीं आया कि वे कथित रूप से अवैध कब्जाधारी हैं। उन्होंने मांग की कि उन्हें उनके ही गांव में सम्मानजनक तरीके से पुनर्वास कर नए मकान उपलब्ध कराए जाएं।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द फैसला नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

शाला प्रवेशोत्सवः शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने बच्चों संग बैठकर सिखाया पहाड़ा

नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर किया स्वागत, गणवेश व जूते वितरित कर दी शुभकामनाएं

रायपुर, (आरएनएस)। शाला प्रवेशोत्सव के अंतर्गत शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव आज दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के बोरसी स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, आदर्श कन्या शाला एवं जेआरडी विद्यालय में आयोजित प्रवेशोत्सव कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर एवं मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत किया तथा नवीन शिक्षा सत्र के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विद्यार्थियों को गणवेश एवं जूते भी वितरित किए गए।

शिक्षा मंत्री यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों से संवाद करते हुए बच्चों की नियमित पढ़ाई, विद्यालय में शत-प्रतिशत उपस्थिति तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बच्चों की पहली पाठशाला उनका परिवार होता है और अभिभावकों का सहयोग ही उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की सबसे बड़ी प्रेरणा देता है। विद्यालय में स्थापित स्मार्ट क्लास का लोकार्पण करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक आधारित एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित शिक्षण व्यवस्था विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगी तथा उन्हें भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप सक्षम बनाएगी। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा मंत्री यादव सीधे कक्षाओं में पहुंचे और बच्चों के बीच बैठकर उनसे आत्मीय संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से पहाड़े सुने और स्वयं भी सरल एवं रोचक तरीके से उन्हें पहाड़ा सिखाया।

स्कूल परिसर में शराबियों का अड्डा, टूटी बोतल से मासूम घायल; कलेक्टर ने प्रिंसिपल को शोकॉज नोटिस के दिए निर्देश

धमतरी, (आरएनएस)। जिले के कोलियारी स्थित शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्कूल परिसर में असामाजिक तत्वों की गतिविधियों के चलते एक मासूम छात्र शराब की टूटी हुई बोतल से घायल हो गया। घटना के बाद ग्रामीणों और अभिभावकों में भारी आक्रोश है। उनका आरोप है कि लंबे समय से स्कूल परिसर में शराबखोरी, चोरी और तोड़फोड़ की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

जानकारी के अनुसार, शाम होते ही स्कूल परिसर असामाजिक तत्वों का अड्डा बन जाता है, जहां खुलेआम शराब पी जाती है। इसके बाद शराब की खाली बोतलें और टूटे कांच स्कूल परिसर में ही छोड़ दिए जाते हैं। इन्हीं टूटे कांच की चपेट में आने से एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे उपचार की आवश्यकता पड़ी।

ग्रामीणों और अभिभावकों का कहना है कि इस गंभीर घटना के बावजूद स्कूल के प्राचार्य ने न तो कोई प्रभावी कार्रवाई की और न ही मामले में अपना पक्ष रखा। लगातार हो रही लापरवाही से नाराज ग्रामीणों ने जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि स्कूल बच्चों के लिए सुरक्षित स्थान होना चाहिए, लेकिन वर्तमान स्थिति में वहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों की सुरक्षा खतरे में है।

मामले के तूल पकड़ने के बाद जिला प्रशासन हरकत में आया है। धमतरी कलेक्टर ने घटना को बेहद गंभीर बताते हुए स्कूल प्राचार्य को शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पूरे मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की बात भी कही गई है।

अब सभी की नजर प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी है। ग्रामीणों का कहना है कि केवल नोटिस जारी करना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि स्कूल परिसर को असामाजिक गतिविधियों से मुक्त कर बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

पुरानी भिलाई में अवैध शराब बेचते आरोपी गिरफ्तार, 30 पौवा देशी मसाला शराब जब्त

दुर्ग, (आरएनएस)। नशा मुक्ति अभियान के तहत दुर्ग पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 30 पौवा देशी मसाला शराब जब्त की है। पुलिस के अनुसार, 1 जुलाई को मुखबिर से सूचना मिली थी कि भिलाई-3 के बिजली नगर मैदान स्थित खंडहर के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब बेच रहा है। सूचना पर थाना पुरानी भिलाई पुलिस ने मौके पर घेराबंदी कर एक संदिग्ध को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सुरेश बारिक (36 वर्ष) निवासी लोधीपारा, खुर्सीपार, जिला दुर्ग बताया। तलाशी के दौरान उसके कपड़े के थैले से 30 पौवा देशी मसाला शराब (कुल 5.400 बल्क लीटर) बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत 3,000 रुपये बताई गई।

शराब दुकान से 7 लाख की चोरी का खुलासा

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी रायपुर के आमानाका थाना क्षेत्र स्थित सरोना की कम्पोजिट विदेशी शराब दुकान में हुई लाखों रुपये की चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और आमानाका थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में राजस्थान के 4 अंतरराज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मामले में एक अन्य आरोपी अब भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

पुलिस के मुताबिक, 14 जून 2026 की सुबह शराब दुकान का ताला टूटा मिला। जांच करने पर पता चला कि चोर दुकान का लॉकर ही उखाड़कर ले गए, जिसमें 7,05,580 रुपये की बिक्री राशि रखी थी। इसके अलावा करीब 10,820 रुपये मूल्य की शराब और सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी चोरी कर लिया गया था।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित की। करीब 15 दिनों तक सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों के फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया गया। जांच के दौरान आरोपियों की लोकेशन राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में मिली, जिसके बाद पुलिस टीम ने वहां दबिश देकर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि उनके एक साथी ने पहले रायपुर आकर शराब दुकान की रेकी की थी। इसके बाद सभी आरोपी योजना बनाकर चारपहिया वाहन से रायपुर पहुंचे और चोरी की वारदात को अंजाम देकर वापस राजस्थान फरार हो गए।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पवन कुमार पाटीकर, प्रकाश मईडा, सुनील चरपोटा और राम सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की नगदी 2 लाख रुपये, वारदात में इस्तेमाल वाहन और 4 मोबाइल फोन समेत करीब 15.50 लाख रुपये का मशरूका बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, सभी आरोपी शातिर अपराधी हैं और इनके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, चोरी, नारकोटिक्स एक्ट और मारपीट जैसे गंभीर अपराधों के मामले दर्ज हैं। पुलिस अब फरार आरोपी की तलाश के साथ-साथ आरोपियों के अन्य राज्यों में आपराधिक नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

खेल समाचार

ग्रैंड चेस टूर क्रोएशिया में पहले दिन प्रग्गनानंदा का शानदार आगाज, छठे स्थान पर रहे गुकेश

जाग्रेब (आरएनएस)। ग्रैंड चेस टूर 2026 के तीसरे इवेंट सुपर रैपिड और ब्लिट्ज क्रोएशिया में भारतीय खिलाड़ियों की शुरुआत अलग-अलग रही। युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रग्गनानंदा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले दिन संयुक्त दूसरे स्थान पर जगह बनाई, जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश छठे स्थान पर रहे।

प्रग्गनानंदा ने पहले मुकाबले में जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर शानदार शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के खिलाफ ड्रॉ खेला। वहीं, दिन के तीसरे और आखिरी राउंड में उनका मुकाबला गुकेश से हुआ, जो ड्रॉ पर खत्म हुआ। पहले दिन के बाद प्रग्गनानंदा के 6 में से 4 अंक हैं और वह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं।

दूसरी ओर, गुकेश का पहला मैच अच्छा नहीं रहा। उन्हें मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के हाथों हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, उन्होंने दूसरे राउंड में इवान सारिक को हराकर शानदार वापसी की। तीसरे राउंड में प्रग्गनानंदा के खिलाफ उनका मुकाबला ड्रॉ रहा। तीन राउंड के बाद गुकेश के 6 में से 3 अंक हैं और वह छठे स्थान पर हैं। रैपिड सेक्शन के अभी छह राउंड और खेले जाने बाकी हैं।

पहले दिन के बाद फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा 5 अंकों के साथ अकेले शीर्ष पर हैं। उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए बढ़त बनाई। खास बात यह है कि कुछ सप्ताह पहले टखने की चोट के कारण उन्हें रोमानिया में ग्रैंड चेस टूर का एक इवेंट बीच में छोड़ना पड़ा था। अब उन्होंने शानदार वापसी करते हुए लीड हासिल कर ली है। तीसरे राउंड में उनका मुकाबला अनीश गिरी से ड्रॉ रहा, जिससे उनकी बढ़त बरकरार रही। अन्य मुकाबलों में विंसेंट कीमर ने नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराकर जीत दर्ज की। वहीं, बोगदान-डैनियल डेक ने इवान सारिक को हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल की। मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और जॉर्डन वैन फॉरेस्ट के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए बेन सियर्स, न्यूजीलैंड की बढ़ी मुश्किलें

ऑकलैंड(आरएनएस)। वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से पहले न्यूजीलैंड टीम को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज बेन सियर्स टखने की चोट के कारण पूरी वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। बेन सियर्स की जगह पर 16 सदस्यीय टीम में बेन लिस्टर को शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि सियर्स को मई में आयरलैंड के खिलाफ चार दिन के टेस्ट के बाद से टखने में लगातार दर्द हो रहा था, जो ट्रेंट ब्रिज में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के आखिरी दिन और बढ़ गया। इसी कारण एतहियात के तौर पर उन्हें इलाज के लिए न्यूजीलैंड भेजने का फैसला किया गया है। लिस्टर आने वाले दिनों में गुयाना में न्यूजीलैंड टीम के साथ मिलेंगे। 30 साल के मध्यम गति के तेज गेंदबाज लिस्टर ने 2023 में कराची में पाकिस्तान के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था। वह न्यूजीलैंड के लिए अब तक कुल 17 इंटरनेशनल मुकाबले (4 वनडे और 13 टी20) खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 17 विकेट निकाले हैं। वह अप्रैल में बांग्लादेश के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा रहे थे।

न्यूजीलैंड की टीम अपने तेज गेंदबाजों की इंजरी से खासा परेशान है। सियर्स से पहले ब्लेयर टिकनर भी टखने की तय सर्जरी के कारण स्वदेश लौट चुके हैं और वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में सिलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं रहे थे।

वैभव सूर्यवंशी को लेकर कैमरे पर मर्यादा भूले रवि शास्त्री, लाईव शो में दिया ऐसा बेतुका बयान कि मच गया बवाल!

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लगातार प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने पर टीम मैनेजमेंट की कड़ी आलोचना की है। शास्त्री का मानना है कि हाल ही में खत्म हुई आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज वैभव का इंटरनेशनल डेब्यू कराने के लिए सबसे बेहतरीन मौका था, लेकिन टीम मैनेजमेंट ने उन्हें पूरे दौरे में सिर्फ बेंच पर ही बैठाए रखा। भारत ने आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की यह सीरीज 0-2 से गंवा दी थी। इसके बाद 1 जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में भी इस युवा खिलाड़ी को मौका नहीं दिया गया, जिससे क्रिकेट दिग्गजों का गुस्सा फूट पड़ा है।

लाइव टीवी पर शास्त्री का विवादित और बेतुका बयान

वैभव को लगातार नजरअंदाज किए जाने से नाराज रवि शास्त्री ने सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर बातचीत के दौरान अपनी भड़ास निकालते हुए एक बेहद बेतुका और आपत्तिजनक बयान दे डाला। शास्त्री ने कहा कि वैभव को आयरलैंड के खिलाफ ही खिलाना चाहिए था क्योंकि वहां की धीमी पिच और छोटे ग्राउंड का वह पूरा फायदा उठाता। इसी दौरान उन्होंने आपा खोते हुए कह दिया कि अगर वैभव खेलता तो वो 'पैंट उतारकर*****' देता।

शास्त्री के इस अजीबोगरीब और विवादित बयान की अब हर तरफ चर्चा हो रही है।पूर्व कोच ने वैभव की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें भारतीय टीम का सबसे बड़ा 'एक्स-फैक्टर' करार दिया। शास्त्री का कहना है कि 15 साल की उम्र में यह खिलाड़ी बिना किसी दबाव और निडर होकर खेलता है। शास्त्री ने कहा कि उसमें युवाओं वाली ऊर्जा है और उसे किसी का डर नहीं है। अगर शुरुआती दो-तीन ओवर में उसका बल्ला चल गया, तो वह टीम को ऐसी शुरुआत देगा जिसका फायदा पूरा मिडिल ऑर्डर उठा सकता है। इसलिए टीम मैनेजमेंट को जल्द से जल्द उसके लिए जगह बनानी ही होगी।

शानदार प्रदर्शन के बावजूद डेब्यू का इंतजार

वैभव सूर्यवंशी पिछले कुछ महीनों से लगातार अपने बल्ले से आग उगल रहे हैं। उन्होंने इसी साल भारत को अंडर-19 वर्ल्ड कप जिताने में सबसे अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद उन्होंने आईपीएल 2026 में भी अपने बल्ले का खौफ दिखाते हुए 776 रन बनाकर कई बड़े रिकॉर्ड्स अपने नाम किए। शास्त्री ने याद दिलाया कि वैभव ने आईपीएल में ऐसा कोई तेज गेंदबाज नहीं छोड़ा जिसकी धुनाई न की हो। इतने शानदार प्रदर्शन के बावजूद आयरलैंड और अब इंग्लैंड दौरे पर उन्हें सिर्फ निराशा ही हाथ लगी है ।

पार्थिव पटेल ने अभिषेक की बल्लेबाजी की जमकर तारीफ की, बोले- अभिषेक ने साबित की अपनी काबिलियत

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने इंग्लैंड के खिलाफ बारिश से प्रभावित पहले टी20 इंटरनेशनल मैच में भारतीय बल्लेबाजों के प्रदर्शन को संतोषजनक बताया। उन्होंने अभिषेक शर्मा की बल्लेबाजी की जमकर प्रशंसा की।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 189 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। टीम की ओर से अभिषेक शर्मा और कप्तान श्रेयस अय्यर ने बेहरीन बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी खेली। हालांकि, लगातार बारिश होने की वजह से इंग्लैंड की टीम बल्लेबाजी करने नहीं उतर सकी और मैच को रद्द करने का फैसला लेना पड़ा। पार्थिव पटेल के अनुसार, भारत ने सतर्क रवैया अपनाने के बजाय अनजान परिस्थितियों में बैटिंग करने की चुनौती को स्वीकार किया। पटेल ने 'जियोस्टार' से कहा, भारत के नजरिए से उन्हें इस तरह के बैटिंग प्रदर्शन की जरूरत थी, खासकर आयरलैंड में जो हुआ उसके बाद। वे खुद को चुनौती देना चाहते थे; वे जल्दी ही परिस्थितियों के अनुकूल ढलना चाहते थे, और भारत ने इस मैच में यह बहुत अच्छे से किया।

उन्होंने आगे कहा, इस पिच पर 190 रन अच्छा स्कोर था। खासकर जब बीच के ओवरों में तीन स्पिनर गेंदबाजी कर रहे थे, तब मुझे लगा कि भारत के पास बचाव करने के लिए पर्याप्त रन थे।

वैभव के लिए जगह बने लेकिन किसी को ड्रॉप करके नहीं : पार्थिव पटेल

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले से पहले भारत के टॉप ऑर्डर को लेकर हो रही चर्चा पर बात की। पुजारा ने साफ किया कि उन्हें नहीं लगता कि वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में जगह देने के लिए संजू सैमसन को ड्रॉप करना चाहिए।

पुजारा ने कहा कि टीम में सैमसन की जगह को लेकर लगातार अटकलें लगाना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज को और मौके मिलने चाहिए। पूर्व बल्लेबाज ने 'जियोस्टार' पर कहा, मुझे लगता है कि भारत को संजू सैमसन के साथ बने रहना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि उन्हें कोई दबाव महसूस करना चाहिए। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में खुद को साबित किया है और उनके पास जिस तरह का टैलेंट है, उसे देखते हुए उन्हें प्लेइंग इलेवन में होना चाहिए। हालांकि पुजारा ने माना कि वैभव सूर्यवंशी ने मौका कमाया है। उन्होंने कहा कि 15 वर्षीय बल्लेबाज को भारत के जमे-जमाए टॉप ऑर्डर को बिगाड़ने की कीमत पर प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, अगर वैभव को खेलना है, तो उन्हें खेलना चाहिए, लेकिन किसी को ड्रॉप करके नहीं, बल्कि किसी को आराम देकर।

सेनेगल के खिलाफ यादगार वापसीः 83वें मिनट में भी उम्मीद नहीं थी, बोले बेल्जियम कोच

सिएटल (आरएनएस)। बेल्जियम के मैनेजर रूडी गार्सिया ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में सेनेगल के खिलाफ बेल्जियम की जबरदस्त वापसी पर बात करते हुए कहा कि 83वें मिनट में जब उनकी टीम 2-0 से पीछे थी, तो उनके लिए मैच पलटना मुमकिन नहीं लग रहा था, लेकिन हाइड्रेशन ब्रेक के दौरान थोड़ी बातचीत ने टीम को लगभग नामुमकिन वापसी करने में मदद की। बेल्जियम ने सेनेगल को राउंड ऑफ 32 मुकाबले में 3-2 से हराया। मैच के 85वें मिनट तक बेल्जियम 0-2 से पीछे चल रहा था और टीम की हार लगभग तय लग रही थी। हालांकि, इसके बाद रोमेलु लुकाकू और यूरी टिलेमान्स ने आखिरी पांच मिनट में गोल करते हुए मुकाबले को अतिरिक्त समय में पहुंचाया, जिसके बाद 125वें मिनट में टिलेमान्स ने एक और गोल करते हुए बेल्जियम को 3-2 से जीत दिलाई।गार्सिया ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा,फुटबॉल भावनाओं से भरा होता है। 83वें मिनट में यह यकीन करना आसान नहीं था कि हम वापसी कर सकते हैं। हाइड्रेशन ब्रेक में मैंने खिलाड़ियों से कहा कि अगर हमने एक और गोल किया, तो कुछ भी हो सकता है। हमने ऐसा किया और इससे मैच फिर से खुल गया। अतिरिक्त समय में दोनों टीमों के पास मौके थे, लेकिन मोमेंटम हमारे साथ था। यह एक ऐसा नतीजा है जो हमारे ग्रुप को और मजबूत बना सकता है।

राउंड ऑफ 16 में अब सोमवार को बेल्जियम का सामना सह-मेजबान अमेरिका से सिएटल स्टेडियम में ही होगा। टीम के पास क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने का सुनहरा मौका होगा। गार्सिया ने कहा कि अब आराम उनकी टीम की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, "हमें रिकवर करने की जरूरत है क्योंकि 120 मिनट पैरों के लिए बहुत ज्यादा होते हैं। हमने आखिर में खिलाड़ियों पर इसका असर देखा।गार्सिया ने सेनेगल टीम की भी तारीफ की। उन्होंने माना कि टीम बदकिस्मत थी कि बाहर हो गई। उन्होंने कहा, "हमने एक बेहतरीन सेनेगल टीम के खिलाफ खेला। यह राउंड ऑफ 32 में हमारे लिए सबसे खराब विरोधी था। उनके पास बहुत क्वालिटी है, वे तेज हैं और उन्होंने हम पर बहुत अच्छे से दबाव डाला।

बिहार में पुलिस द्वारा समाजसेवी भारत भूषण तिवारी की हत्या के विरोध में ब्राम्हण समुदाय में बना हुआ है आक्रोश

पुलिस द्वारा की गई जघन्य हत्या के खिलाफ कार्रवाई करने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा

नर्मदापुरम (निप्र)। बिहार पुलिस द्वारा समाजसेवी भारत भूषण तिवारी के आत्मसमर्पण के उपरांत भी पुलिस द्वारा की गई जघन्य हत्या के बाद से ही पूरे देशभर में ब्राम्हण समुदाय में आक्रोश बना हुआ है। गुरूवार को अखंड ब्राह्मण सेवा समिति नर्मदापुरम इकाई द्वारा राष्ट्रपति के नाम एस डी एम नर्मदापुरम को जिलाध्यक्ष आचार्य पंडित नीरजेश त्रिपाठी के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें बड़ी संख्या में विभिन्न संगठनों के ब्राम्हणों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए राष्ट्रपति से मांग की गई है कि उन पुलिस वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कठोर कार्यवाही की जाएं। जिन्होंने समाजसेवी भारत भूषण तिवारी की हत्या की ऐसे पुलिस वालों को नौकरी से बर्खास्त किया जाए। जो भी अधिकारी इस मामले में शामिल

हैं। जिनकी लापवरवाही या सोची समझी साजिश रही हो उन्हें किसी भी हालत में वक्शा नहीं जाए। देश के जाबांज समाजसेवी भारत भूषण तिवारी के परिवार को समुचित आर्थिक सहायता दी जाए।

ज्ञापन देने के दौरान वरिष्ठ समाजसेवी पंडित अरुण दीक्षित वरिष्ठ अधिवक्ता पंडित केके थापक, पंडित राजीव दुबे पंडित विनोद दुबे पंडित अभिलाष शर्मा पंडित गोविंद दुबे पंडित प्रमोद रावत पंडित पंडित सुनील भार्गव पंडित राजेंद्र पुरोहित पंडित श्रवण मिश्रा पंडित संजय मिश्रा पंडित शिवनारायण शर्मा पंडित रामगोपाल चौबे पंडित कल्पेश दुबे पंडित संजय तिवारी पंडित कुशाग्र त्रिपाठी, पंडित गोपाल दुबे पंडित पीयूष शर्मा रामेश्वरजी आदि विप्र जन उपस्थित हुए।

समस्याओं के समाधान के लिए समन्वित प्रयास आवश्यक : बी ईश्वर कुमार

सरकार और नागरिक मिल कर भी निकल सकते हैं हल

नर्मदापुरम(निप्र)। सामाजिक कार्यकर्ता व वरिष्ठ पत्रकार बुलुसु ईश्वर कुमार का कहना है कि हम हर दिन जिन समस्याओं का सामना करते हैं वे अनेक हैं। उनसे बाहर निकलने के रास्ते भी हैं। लेकिन इनमें कुछ काम हमें करने हैं और कुछ सरकारों को करने हैं। अर्थात सरकार और नागरिकों के समन्वित प्रयासों से ही अनेक समस्याओं का समाधान हो सकता है। इसके लिए दोनों ओर से सार्थक पहल की आवश्यकता है।

हमें क्या करना होगा

ग्राउंड वाटर हार्वेस्टिंग, पौधे लगाकर उनका पालन पोषण करना, आस.पास को साफ.सुथरा रखना जैसे सामाजिक कार्य में समाज की अहम भूमिका होना ही चाहिए। होती भी है लेकिन उतनी मात्रा में नहीं जितनी होना चाहिए।

सरकारों को क्या करना चाहिए

जनता को सस्ती शिक्षा, चिकित्सा, परिवहन मिले यह देखना। सेवा क्षेत्र में व्यापार न घुसने देना। कोई भी जाति हो, धर्म हो, गरीबी का दर्द एक जैसा ही है। इसलिए शासन में विद्वानों अनुभवी लोगों की सलाह लेते हुए व्यवस्थाओं को धार देकर, समाज के हर व्यक्ति को लाभ मिले यह देखना।हम सभी एमएलए एमपी नहीं बन सकते। या उनके कामों में व्यस्तता के कारण हमारी समस्याएं उन तक नहीं पहुंच पातीं। हम व्यावहारिक कानूनी तर्कसंगत बातों को समाज के सामने रखें तो गलत नहीं है। घर में मैं बाहर आएं तो हम हो जाएं। मांगे बिना मां भी नहीं परोसती। सरकार को बिना मांगे भी जनता का भला करना चाहिए।

युवा संगम रोजगार व स्वरोजगार मेला का आयोजन 15 को

रोजगार मेले के सुचारु आयोजन हेतु अधिकारियों को सौंपे दायित्व

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय नर्मदापुरम द्वारा शिक्षित बेरोजगार युवक युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेला का आयोजन 15 जुलाई 2026 को शासकीय कुसुम स्नाताकेत्तर महाविद्यालय सिवनीमालवा जिला नर्मदापुरम में किया जाएगा। तत्संबंध में कलेक्टर श्री मिश्रा द्वारा रोजगार मेले के सुचारु आयोजन हेतु अधिकारियों को दायित्व सौंप उनकी ड्यूटी लगाई गई है। जारी आदेशानुसार कलेक्टर श्री मिश्रा द्वारा रोजगार मेला का संपूर्ण प्रभार का दायित्व डिप्टी कलेक्टर नर्मदापुरम श्रीमती बबीता राठौर को सौंपा है। तथा रोजगार मेला के आयोजन संबंधी अन्य कार्यो एवं व्यवस्थाओं के लिए भी अधिकारियों को दायित्व सौंपा गया है।

हर वर्ष करना पड़ता है मीटिंग, माईक और मुआवजा

स्थायी समाधान की ओर नहीं दिया जाता ध्यान,बन कर रह गया 990 का प्लान

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम(ए.)। शासन प्रशासन के द्वारा बाढ़ आने से पूर्व बाढ़ से बचाओ के लिए आपदा प्रबंधन की बैठक करना आवश्यक होता है। हर वर्ष होती भी है। प्राय देखने में आता है कि मां नर्मदा की बाढ़ आने से पहले प्रशासन स्तर पर तैयारी भी की जाती है। लेकिन उसका स्थायी समाधान करने के लिए ठोस प्लान को अमली जामा नहीं पहनाया जाता है। वर्ष 1999 और उससे पूर्व 1973 में नर्मदा का जल स्तर 983 फीट के आसपास बना रहा जो खतरे के निशान से 15 फीट ऊपर था। आधे शहर के लोगों के घर बाढ़ से घिरे हुए थे। पूरा शहर खतरे में था। बरगी, बारना और तवा तीनों बांधों से लगातार पानी छूटने पर नर्मदा का जल स्तर बढ़ता जा रहा था। वर्षा यदि न रूके तो बांधों से पानी छोड़ना मजबूरी हो जाता है। इस बीच जल स्तर के लिए समन्वय बनाना भी मुश्किल कार्य हो सकता है। बाढ़ आने पर हर वर्ष माईक से अनांसमेंट किया जाता है। बाढ़ से घिरे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के प्रयास भी होते हैं। अनेक बार सेना को भी बुलवाना पड़ा है। फिर उनके घर में बाढ़ आ जाने पर उनको जो नुकसान होता है। उसकी भरपाई के लिए मुआवजा भी देना होता है। यह बाढ़ आने पर हर बार होता है। लेकिन उसके बाद शासन प्रशासन में बैठे लोग भूल जाते हैं। समाधान की ओर कदम नहीं बढ़ाए जाते हैं।

एक बार बना था 990 का प्लान

पूर्व की अनेक बार की बाढ़ को ध्यान में रखते हुए 2013 के लगभग जब नर्मदा जी में बाढ़ आ गई थी तब सेना को बुलाना पड़ा था। उस दौरान तत्कालीन कलेक्टर ने पूरे शहर का भ्रमण करने के बाद तथा बाढ़ उतर जाने के बाद 990 का प्लान बनाने पर जोर दिया था। क्योंकि अनेक बार 975 से 980 और उससे भी अधिक 983 फीट तक का लेबल रहा है। तब 990 फीट तक जल स्तर बढ़ जाए तब तक सुरक्षा बनी रहे। लेकिन हर बार की तरह उस बार भी प्लान बनाया और उसे ठंडे बस्ते में रख दिया। जल स्तर कम होने पर बाढ़ के खतरे को भूलने लगते हैं। जब लगातार बारिश होती है नर्मदा का जल स्तर काबू में कर पानी 990 के प्लान से ही संभव हो सकता है।

तीन बार आ चुकी बढ़ी बाढ़

शहर के वरिष्ठ नागरिक गोपीकांत घोष बताते हैं कि नर्मदा की अधिकतम बाढ़ वर्ष 1973 और उसी के समकक्ष वर्ष 1999 में और 2013 में आई थी। 2013 में भी सेना बुलानी पड़ी थी। तब कलेक्टर राहुल जैन थे। उन्होंने शहर के लोगों से बाढ़ से बचाव के लिए सुझाव मांगे थे। तब एक महत्वपूर्ण सुझाव आया था। शहर के लिए 990 फीट का प्लान बनाया जाए। नर्मदा के तटीय क्षेत्र की सुरक्षा दीवार को इतना ऊंचा किया जाए कि शहर सुरक्षित रह सके। यही है 990 का प्लान।

निचली बस्ती के लिए बचाओ

शहर में अनेक निचली बस्ती हैं जो अतिक्रमण करके घर बनाकर रहने लगे बाद में उन्हें पट्टा या रजिस्ट्री के माध्यम से उस क्षेत्र का निवासी घोषित कर दिया है। वे ही जब उनके घर में बाढ़ आती है तब मुआवजा की मांग करते हैं।

पिचिंग होने लगी जर्जर

नर्मदा की बाढ़ को रोकने के लिए बनी सुरक्षा दीवार जगह.-जगह से क्षतिग्रस्त हो गई है। बीते वर्ष कोरीघाट के पास की पिचिंग का एक हिस्सा भरभरा कर गिर गया था। जिसे कमिश्नर व तकनीकी अमले ने अवलोकन कर 7 करोड़ 21 लाख की योजना बनाकर भेजा था। उस पर काम भी शुरू हुआ लेकिन धीमी गति से हो रहा है।

विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण का जिला स्तरीय कार्यक्रम केसला में आयोजित

ग्रामीण परिवारों को 125 दिन के रोजगार की गारंटी, 300 रुपये प्रतिदिन मजदूरी के संबंध में ग्राम वासियों को कराया गया अवगत

नर्मदापुरम (निप्र) ।शासन के निर्देशानुसार विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण (ङ्क्क-त-क्र्रत्न) का जिला स्तरीय कार्यक्रम गुरुवार को केसला स्थित मंगल भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के विकसित भारत ञ्च2047 के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से 1 जुलाई 2026 से संशोधित स्वरूप में लागू किए गए विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण की जानकारी जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों को दी गई ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, लोकसभा सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी, विधायक श्री प्रेमशंकर वर्मा, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री गंगाराम कलमें उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हिमांशु जैन, एसडीएम इटारसी श्री नीलेश शर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत केसला श्रीमती सुमन खातरकर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे ।लोकसभा सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि नई व्यवस्था के तहत श्रमिकों को प्रतिदिन 300 रुपये की मजदूरी प्रदान की जाएगी तथा 15 दिनों के भीतर मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्रमिकों को उनके गांव से पांच किलोमीटर की परिधि के भीतर ही कार्य उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह योजना श्रमिकों के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। उन्होंने जानकारी दी कि मनरेगा जॉब कार्डधारी श्रमिकों का ई-केवाईसी पूर्ण किया जा चुका है। जिन ग्रामीण परिवारों के पास जॉब कार्ड नहीं है, वे अपने परिवार के वयस्क सदस्यों का नाम, आयु एवं पते का विवरण संबंधित ग्राम पंचायत में प्रस्तुत कर ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड के लिए पंजीयन करा सकते हैं ।राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने कहा कि महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत स्वीकृत एवं प्रगतिरत कार्य विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण के प्रावधानों के अनुरूप जारी रहेंगे तथा उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाएगा, ताकि सार्वजनिक परिसंपत्तियां अधूरी न रहें और ग्रामीण समुदाय को उनका पूरा लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों के कुशल मजदूरी रोजगार की गारंटी प्रदान कर ग्रामीण विकास को नई गति देगा।

शासकीय भूमि पर अतिक्रमण से सुरक्षा हेतु चलाया जा रहा सीमांकन अभियान

अभियान के तहत तहसीलदार इटारसी द्वारा शा. विद्यालय की भूमि का किया गया सीमांकन

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में सभी शासकीय संस्थानों की भूमि की सुरक्षा और अभिलेखों के अनुरूप सीमांकन हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य अतिक्रमण की संभावना को समाप्त करना है। यह अभियान लगातार जारी रहेगा। इसी क्रम में तहसीलदार श्रीमती सुनीता साहनी के मार्गदर्शन में मंगलवार को इटारसी तहसील क्षेत्र के ग्राम मलोथर स्थित एकीकृत शासकीय माध्यमिक विद्यालय की जमीन का विधिवत सीमांकन किया गया। 30 जून 2026 को राजस्व निरीक्षक विजय किरार के नेतृत्व में गठित टीम मौके पर पहुंची। राजस्व दल ने अभिलेखों के आधार पर विद्यालय की भूमि की सीमाएं चिन्हित कर सीमांकन की कार्रवाई पूरी की। पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।

पेंशन हितग्राहियों का DLC सत्यापन 7 दिन में कराना अनिवार्य

नर्मदापुरम (निप्र)। ग्रामीण विकास मंत्रालय की NSAP योजना के तहत पेंशन पाने वाले हितग्राहियों के डिजिटल जीवन प्रमाणन को लेकर प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। जनपद पंचायत माखनगर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने सभी कलस्टर प्रभारियों, ए.डी.ई.ओ., पी.सी.ओ. और पंचायत सचिवों को 7 दिन के भीतर शत-प्रतिशत DLC सत्यापन पूरा करने के निर्देश दिए हैं। अब इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्ध अवस्था पेंशन, विधवा पेंशन और नि:शक्त पेंशन के हितग्राहियों का सत्यापन मैन्युअल तरीके से नहीं होगा। इसके लिए सरकार का 'DLC डिजिटल लाइव सर्टिफिकेट मोबाइल ऐप इस्तेमाल किया जाएगा। प्रशासन ने पहले भी 22 मई 2026 को दिशा-निर्देश जारी किए थे, लेकिन प्रगति धीमी रहने के कारण अब 7 दिन की समय-सीमा तय कर दी गई है।

कलेक्टर कार्यालय से किया जायेगा आकाशीय बिजली से बचाव के लिए जनजागरुकता अभियान का शुभारंभ

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में आकाशीय बिजली से जन-धन की सुरक्षा एवं आपदा के प्रति नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से शुक्रवार, 3 जुलाई 2026 को कलेक्ट्रेट कार्यालय के रेवा सभा कक्ष में आकाशीय बिजली प्रबंधन संबंधी जनजागरूकता अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। अभियान का शुभारंभ कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा किया जाएगा।

इस अवसर पर आकाशीय बिजली से बचाव के उपायों, सावधानियों तथा आपदा की स्थिति में अपनाई जाने वाली आवश्यक सुरक्षा संबंधी जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही नागरिकों को आकाशीय बिजली की पूर्व चेतावनी उपलब्ध कराने वाले बहुउपयोगी दामिनी एप के महत्व एवं उसके व्यापक उपयोग के बारे में भी जानकारी दी जाएगी।

नैतिक शिक्षा एवं नशा मुक्ति पर जागरुकता कार्यक्रम हुआ

नर्मदापुरम (निप्र)। शासकीय एसएनजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गायत्री परिवार के तत्वावधान में नैतिक शिक्षा एवं नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गायत्री परिवार के परिजन उमेश कुमार सिंह शिवकुमार विश्वकर्मा एवं तुलसीराम बाबरिया ने विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों अनुशासन एवं संस्कारों के महत्व से अवगत कराया। साथ ही नशे के दुष्प्रभावों पर विस्तार से चर्चा करते हुए विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। विद्यालय की ओर से शिक्षक एसएन चौरे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 60 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

कलेक्टर के निर्देशानुसार तवा ब्रिज पर भारी वाहनों के प्रवेश पर सख्ती, राजस्व अमला कर रहा 24 घंटे निगरानी

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार नर्मदापुरम - पिपरिया हाईवे को जोड़ने वाले जिले के महत्वपूर्ण तवा ब्रिज के क्षतिग्रस्त होने के कारण किसी भी संभावित अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए ब्रिज पर भारी वाहनों के आवागमन पर पूर्णत: प्रतिबंध लागू किया गया है। कलेक्टर द्वारा जारी निर्देशों के परिपालन में प्रशासन द्वारा इस प्रतिबंध का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जा रहा है।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने तवा ब्रिज का स्थलीय निरीक्षण कर ब्रिज के दोनों ओर हाइट गेज बैरियर स्थापित किए जाने के निर्देश दिए हैं, ताकि भारी वाहनों का प्रवेश प्रभावी रूप से रोका जा सके। साथ ही उन्होंने राजस्व विभाग को ब्रिज पर लगाए गए प्रतिबंध का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने तथा लगातार निगरानी बनाए रखने के

निर्देश भी दिए हैं।

कलेक्टर के निर्देशों के पालन में राजस्व अमले द्वारा तवा ब्रिज के दोनों ओर शिफ्टवार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। तैनात कर्मचारी लगातार निगरानी कर रहे हैं ताकि कोई भी भारी वाहन ब्रिज से होकर न गुजर सके। इसके अतिरिक्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार द्वारा भी समय-समय पर मौके का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की जा रही है। जिला प्रशासन ने वाहन चालकों एवं परिवहन संचालकों से अपील की है कि वे तवा ब्रिज पर लागू प्रतिबंध का पालन करें तथा निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें, जिससे जनसुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना से बचा जा सके।

जिले में कृषि कल्याण के लिए आयोजित की जा रही ग्रामसभाएं

>>> कृषकों को नरवाई प्रबंधन के लिए किया जा रहा जागरूक

>>> एसडीएम पिपरिया ने नरवाई प्रबंधन ग्राम सभा का किया निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार एसडीएम पिपरिया आकिब खान ने गुरुवार को ग्राम सुरेला किशोर में नरवाई प्रबंधन के संबंध में आयोजित ग्राम सभा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित किसानों को नरवाई के वैज्ञानिक एवं सुरक्षित प्रबंधन के उपायों की जानकारी देते हुए कृषि अवशेषों के उचित निस्तारण तथा उपलब्ध कृषि संयंत्रों के उपयोग के संबंध में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे फसल अवशेषों में आग लगाने के बजाय आधुनिक तकनीकों एवं कृषि यंत्रों का उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री खान ने ग्राम सुरेला किशोर स्थित माध्यमिक शाला का भी निरीक्षण किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं से संवाद कर उनकी पढ़ाई, शैक्षणिक गतिविधियों एवं विद्यालय की व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा उन्हें नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात एसडीएम ने ग्राम माथनी पहुंचकर प्राथमिक शाला एवं मध्यान्ह भोजन किचिन शेड का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए उपस्थित शिक्षकों को शैक्षणिक गुणवत्ता बनाए रखने, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

जिले में "खेत बचाओ अभियान" संपन्न, 5000 से अधिक किसानों को दी गई समसामयिक कृषि जानकारी

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में चल रहे भारत सरकार के खेत बचाओ अभियान 01 जून से 30 जून 2026 तक सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अभियान का मुख्य उद्देश्य रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों के दुष्प्रभाव से मिट्टी और खेतों को बचाना तथा किसानों की लागत कम कर आय बढ़ाना रहा।संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास भोपाल के निर्देशानुसार किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा एवं कृषि विज्ञान केंद्र के संयुक्त मैदानी दल ने पूरे जिले में अभियान चलाया। टीम में कृषि वैज्ञानिक, कृषि विस्तार अधिकारी, विकासखंड तकनीकी प्रबंधक एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक शामिल थे। दल ने गांव-गांव जाकर चौपाल लगाकर किसानों से सीधा संवाद किया।अभियान में कृषकों को 01 माह तक संतुलित एवं विवेकपूर्ण उर्वरक उपयोग, मुदा स्वास्थ्य संरक्षण, प्राकृतिक खेती, हरी खाद का उपयोग, मिटटी परीक्षण उपरांत की गई ।

अधिवक्ता संघ चुनाव के लिए सभी 28 उम्मीदवारों के फार्म सही

आज 3 जुलाई को नाम वापसी का मौका, अपरान्ह बाद जारी होगी प्रत्याशियों की सूची

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला अधिवक्ता संघ के द्विवार्षिक चुनाव के लिए जिन 28 उम्मीदवारों ने फार्म भरे हैं आज उनकी जांच हुई। जिला अधिवक्ता संघ के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एसएस पटेल व सहायक अधिकारी राजेश अग्रवाल ने बताया कि जांच उपरांत सभी फार्म सही पाए गए। अब आज 3 जुलाई को नाम वापस करने का मौका दोपहर 2 बजे तक रहेगा। अपरान्ह बाद अंतिम प्रत्याशियों के नामों की सूची जारी हो जाएगी ।जिन अधिवक्ताओं ने फार्म सही पाए गए हैं उनमें अध्यक्ष पद के लिए अजय प्रकाश श्रीवास्तव, राजीव कुमार दुबे, सुरेंद्र सिंह राजपूत, राम कुमार गुबरेले, व मनोज कुमार जराठे वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए श्रीप्रकाश दुबे, नीरज कुमार पटेल, केशव सिंह चौहान, दिलीप सिंह ठाकुर, सुंदर लाल वर्मा, और सचिव पद के लिए आशीष सिंह ठाकुर मोहन लाल यादव व अनुपम दुबे, सहसचिव पद के लिए राकेश शर्मा, सीके कुरापा, राकेश बाथरे, महिला के लिए आरक्षित कोषाध्यक्ष पद के लिए श्रीमती गुरप्रीत सिंह कौर, सुश्री शमशाद खान व कुमारी प्रमिला शर्मा। ग्रंथपाल पद के लिए सिर्फ सौरभ तिवारी ने फार्म जमा है। कार्यकारिणी पद हेतु श्रीकांत रघुवंशी, श्रीमती नीता चौधरी, बालकराम अहिरवार, लखन लाल कीर, प्रशांत गोहला, श्रीमती दीप्ति राठौर, आनंद गिरी व सलोनी अग्रवाल ने फार्म जमा कर दिया है।

चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी के नाम आज सामने आ जाएंगे।

जिला न्यायालय परिसर में पूरी तरह से चुनावी माहौल बन चुका है। अब आज 3 जुलाई को फायनल रूप से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के नाम सामने आ जाएंगे। 3 से लेकर 14 जुलाई तक प्रत्याशियों को अपना प्रचार करने का भरपूर समय मिल रहा है। वैसे नामों का प्रचार प्रसार तो अभी से जारी है। सोशल मीडिया पर विभिन्न उम्मीदवारों ने अपने चित्र के साथ प्रचार करना शुरू कर दिया है। श्री पटेल एवं वरिष्ठ अधिवक्ताओं के मार्गदर्शन में सहायक निर्वाचन अधिकारी निष्पक्ष रूप से चुनावी प्रक्रिया को पूर्ण करने में जुटे हुए हैं। 15 जुलाई को प्रात: 9 बजे से मतदान शुरू हो जाएगा। जिला अधिवक्ता संघ के उप निर्वाचन अधिकारी टीएस चौहान सहायक निर्वाचन अधिकारी राजेश अग्रवाल, रामकुमार दुबे, अभिषेक शुक्ला, प्रशांत पालीवाल और संजेश राजपूत चुनाव संबंधी कार्य में जुटे हुए हैं। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता एसएस ठाकुरए एमएस चौहान रमेश परिहार एवं केके जराठे सहित अन्य वरिष्ठ अधिवक्ता अपनी उपस्थिति दे रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com